पटना ● बुधवार, 26 जून 2024 | मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:165 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

विकास कार्यों को गति देते हुए ... 3 www. bordernewsmirror.com तीसरे वीकेंड पर फिर ... 8

अब तेजी से पेंडिंग केस निपटाएगा सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कर दिया लोक अदालत का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित पड़े मामलों को देखते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने लोक अदालत लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई से लोक अदालत शुरू की जाएगी और लोग इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, 29 जुलाई से 3 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में लोक अदालत का आयोजन होगा। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाली कार्यक्रमों कि श्रृंखला के अंतरगत यह आयोजन भी किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा, गौर करने वाली बात है कि हम सब जज हैं और न्याय के संस्थान के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसे में हमें लंबित पड़े मामलों की भी चिंता है। लोक अदालत में एक बहुत ही अनौपचारिक और तकनीक आधारित हल निकाला जाएगा जिससे नागरिक संतुष्ट भी हो जाएं और केस भी निपट जाएं। यह आपसी सहमति पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि नागरिक और

वकील सभी इसका लाभ उठा सकते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के सभी साथियों और कर्मचारियों की तरफ से हम नागरिकों से अपील करते हैं कि नागरिक और वकील जिनके केस लंबित हैं वे कोशिश करें कि त्वरित तरीके से उनके मामलों का समाधान निकल आए। यह एक तरह का विवाद का हल निकालने का तरीका है। दरअसल लोक अदालत को लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज ऐक्ट 1987 के तहत वैधानिक बताया गया है। लोक अदालतों द्वारा दिए गए फैसलों को सिविल अदालत का डिक्री माना जाता है और सभी पक्षों पर मानने के लिए बाध्यकारी होता है। इस फैसले के खिलाफ किसी अदालत में कोई अपील भी नहीं की जा सकती है। हालांकि प्रक्रिया के तहत उचित अदालत में जाकर मुकदमा शुरू किया जा सकता है। विशेष लोक अदालतों द्वारा समझौते और निपटान की स्थिति में अदालती शुल्क वापसी का भी प्रावधान है। आम तौर पर इन अदालतों में वैवाहिक और संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम संबंधी विवाद सुलझाए जाते हैं।

बांग्लादेश से तीस्ता समझौते को लेकर ममता नाराज

पीएम मोदी को लिखा पत्र, संसद में घमासान के आसार

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के साथ तीस्ता नदी जल बंटवारा और फरक्का संधि पर बातचीत को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नाराज हैं। उन्होंने इसमें पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोमवार पत्र लिखा। इसमें अपनी नाखुशी का इजहार

किया है। बनर्जी ने प्रधानमंत्री से पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल किए बिना पड़ोसी देश के साथ ऐसी कोई चर्चा नहीं करने का भी आग्रह किया। उन्होंने मोदी को लिखे तीन पृष्ठ के पत्र में कहा, 'मैं यह पत्र बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की हालिया यात्रा के संदर्भ में लिख रही हूं। ऐसा लगता है कि बैठक के दौरान गंगा और तीस्ता नदियों से संबंधित जल बंटवारे के मुद्दों पर चर्चा हुई होगी।

महाराष्ट्र में चुनाव के नए रास्ते तलाश रही बीजेपी

'मोदी फैक्टर' से मोहभंग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में नुकसान के बाद अब बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अक्टूबर में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव भी कराए जा सकते हैं। वहीं बीजेपी ने 2019 में 23 लोकसभा सीटें जीती थीं लेकिन इस बार 9 पर ही सिमट गई। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले बीजेपी गठबंधन के अंदर की कमियां दूर करना चाहती है।

महायुति के अंदर ही शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी में रार देखने को मिली है। वहीं बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर भी सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने इस बार राज्य के नेताओं को प्रमुखता देने का फैसला किया है। उनके द्वारा सुझाए गए रोडमैप को ही आगे रखा जाएगा। बीजेपी का मानना है कि सीधे केंद्र के दखल की वजह से नुकसान हुआ।

अल्टीमेटम! मां-बाप की मंजूरी से ही हो लव मैरिज

खाप पंचायतों ने कहा-कानून न बना तो करेंगे आंदोलन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के खाप ने केंद्र सरकार से मांग की है कि लव मैरिज को लेकर संसद में कानून बनाया जाए और इसमें मां-बाप की सहमति को अनिवार्य कर दिया जाए। इसके अलावा लिव-इन-रिलेशनशिप सिस्टम को खत्म कर दिया जाए। खाप ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर सरकार उनकी बात नहीं सुनती है तो वे विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। कांडेला,

माजरा, नौ गामा, बिनैन, कलवा तापा और थुवा काप ने ये मांगें सरकार के सामने रखी हैं। खाप के नेताओं का कहना है कि अगर एनडीए सरकार दोनों मामलों को लेकर कानून नहीं बनाती है तो विपक्षी दलों को लोकसभा में ये मांग उठानी चाहिए। माजरा खाप के प्रवक्ता ने कहा, लव मैरेज या फिर कोर्ट मैरेज पर हमें आपत्ति नहीं है लेकिन इसके लिए मां-बाप से इजाजत लेनी जरूरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब एक पिता अपनी बेटी को पाल-पोषकर बड़ा करता है और वह भाग जाती है तो बहुत दुख होता है।

हाईकोर्ट से नहीं मिली बेल जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटा, कहा-बेल देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में ही रहेंगे। हाईकोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि दलीलों पर सही ढंग से बहस नहीं हुई थी, इसलिए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को रद्द करते हैं। फैसले को देखकर ऐसा लगता है कि केजरीवाल को जमानत देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। अदालत को ईडी को बहस करने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए था। उधर, आम आदमी पार्टी का कहना है, हम हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जमानत पर आदेश को इस तरह से नहीं रोका जा सकता, सुप्रीम कोर्ट ने भी कल यही कहा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को बेल दी थी,

लेकिन ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने 21 जून को रोक लगा दी थी। अब कल (बुधवार को) सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सीएम की जमानत याचिका पर फैसला होगा। ट्रायल कोर्ट की टिप्पणी पर विचार नहीं किया जा सकता, पूरी तरह से अनुचित है। यह दर्शाता है कि ट्रायल कोर्ट ने सामग्री पर अपना दिमाग नहीं लगाया है। इस बात पर मजबूत तर्क दिया गया कि जज ने धारा 45 की दोहरी शर्त पर विचार-विमर्श नहीं किया। ट्रायल कोर्ट को ऐसा कोई निर्णय नहीं देना चाहिए जो हाईकोर्ट के फैसले से उलट हो। ट्रायल कोर्ट ने धारा 70 के तर्क पर भी विचार नहीं किया है। कोर्ट का यह भी माना है कि सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा के लिए जमानत दी थी। एक बार जब उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गई है, तो यह नहीं कहा जा सकता है कि कानून का उल्लंघन है।

इमरजेंसी की बरसी पर कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

आपातकाल लगाने वाले ना दिखाएं संविधान प्रेम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने इमर्जेंसी लगाई थी उन्हें संविधान के लिए प्रेम का दिखावा करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन लोगों ने ही आर्टिकल 356 को लागू कर दिया था और प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए विधेयक लेकर आए थे। इन लोगों ने संघीय ढांचे को खत्म करने और संविधान का उल्लंघन करने का हर संभव प्रयास किया। पीएम मोदी ने कहा, जिस पार्टी ने

आपातकाल लगाया था उनकी मानसिकता नहीं बदली है। वे दिखावा करके संविधान के तिरस्कार को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन देश के लोगों ने उनकी हरकतें देख ली हैं और इसीलिए एक बार फिर उन्हें रिजेक्ट कर दिया है। बता दें कि 49 साल पहले 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने देश में आपतकाल लगाया था। संविधान के अनुच्छेद 352 में राष्ट्रपति को आपातकाल लगाने का अधिकार दिया गया है। मोदी ने कहा, आज आपताकाल के विरोध में खड़े होने वाले महापुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है।

कमाल! चांद के सबसे अंधेरे हिस्से से मिट्टी लाया चीन

- ऐसा करने वाला पहला देश बना, 2030 तक इंसानों को चांद पर भेजने का लक्ष्य

बीजिंग (एजेंसी)। चीन का मून मिशन चांद की सतह से मिट्टी लेकर धरती पर पहुंच गया है। इसी के साथ वह पहला देश बन गया है, जो चांद के अंधेरे हिस्से से सैंपल लाने में सफल रहा है। चीनी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन का चैंग ई-6 लैंडर 53 दिन बाद

कैप्सूल में सैंपल लेकर धरती पर लौटा है। चीन ने 3 मई को चैंग ई-6 मिशन लॉन्च किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस प्रोब का लक्ष्य चांद के सबसे दूर वाले हिस्से (जहां अंधेरा होता है) पर जाकर सैंपल इकट्ठे करके इन्हें धरती पर भेजना था। चीन ने 2030 तक इंसान को चांद पर भेजने का लक्ष्य रखा है। यह मिशन भी उसी टारगेट का हिस्सा है।

राहुल गांधी को 99 से मिला मौका, पहली कतार में बैठे

लोकसभा में दिखा बदलता रुख, जिम्मेदारी को दिखे तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब तक संसद में पार्टी के एक सांसद के तौर पर ही काम करते दिखे हैं। यूपीए सरकार रहने के दौरान वह केंद्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं बने थे और फिर कांग्रेस के विपक्ष में आने के बाद भी वह संसद में नेता विपक्ष जैसे अहम रोल में नहीं दिखे। भाजपा उनके जिम्मेदारी न लेने को मुद्दा बनाती रही है। लेकिन अब राहुल गांधी का रुख बदलता दिख रहा है और वह लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभालने को तैयार नजर आ रहे हैं। सोमवार को चुनाव के बाद आयोजित पहले सत्र में वह पहली कतार में ही अखिलेश यादव के साथ बैठे नजर आए। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी जब सांसद के तौर पर शपथ लेने पहुंचे को उन्हें संविधान की कॉपी दिखा

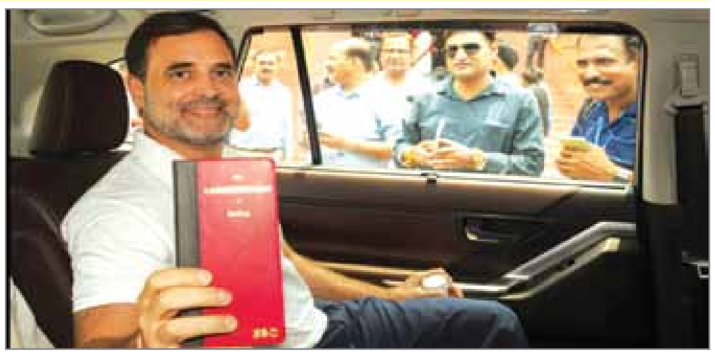

रहे थे। राहुल गांधी के इस रुख से अनुमान लगाया जा रहा है कि वह नेता विपक्ष बनने के लिए तैयार हैं। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि राहुल गांधी पार्टी के अध्यक्ष नहीं हैं। ऐसे में उन्हें लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी लेकर नेतृत्व करना चाहिए। यह उनके लिए मौका भी है क्योंकि पार्टी को लोकसभा में 99 सीटें मिली हैं, जो उसकी उम्मीद से अधिक हैं। इसके अलावा भाजपा को उसके नेतृत्व वाला अलायंस 240 सीटों पर ही रोकने में सफल रहा। इन नतीजों के बाद भी कांग्रेस लगातार तीसरी बार केंद्र सरकार से बाहर है।

जय भीम, जय मीम और जय फिलीस्तीन...

- असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ के दौरान लगाए नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने 18वीं लोकसभा के सदस्य के तौर पर मंगलवार को शपथ ली। अपना शपथ ग्रहण उन्होंने जिन शब्दों के साथ समाप्त किया उनमें जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और जय फिलीस्तीन शामिल हैं। आखिर में ओवैसी ने अल्लाह हू अकबर भी कहा। ओवैसी के जय फिलीस्तीन कहने पर सदन में बीजेपी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रोटम स्पीकर ने लोकसभा के सदस्य रूप के लिए शपथ लेने के लिए ओवैसी को बुलाया था। उन्होंने शपथ से पहले बिस्मिल्लाह पढ़ा। इसके बाद ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली। शपथ पूरी हो जाने के बाद उन्होंने जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और जय फिलीस्तीन का नारा लगाया।

अपराध चाहे कितना गंभीर हो, आरोपी की उम्र नजरअंदाज नहीं कर सकते

- बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-पोर्श एक्सीडेंट केस में नाबालिग को दे दी जमानत

पुणे (एजेंसी)। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरोपी नाबालिग को जमानत दे दी है। साथ ही उसे बाल सुधार गृह से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि हमें आरोपी के साथ वैसे ही पेश आना होगा, जैसे हम कानून का उल्लंघन करने वाले किसी और बच्चे के साथ पेश आते। फिर चाहे अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो। नाबालिग आरोपी ने 18-19 मई की रात पुणे के कल्याणी नगर इलाके में सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पोर्श स्पोर्ट्स कार चला रहा था। उसे 22 मई को बाल सुधार गृह भेजा गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह आदेश आरोपी लड़के की आंटी की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया। पिछले हफ्ते दाखिल की गई इस याचिका में कहा गया था कि लड़के को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है। उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया था कि लोगों के गुस्से चलते पुलिस जांच के सही रास्ते से भटक गई।

हार सुनिश्चित, फिर भी दलित कार्ड चलती है कांग्रेस

- चिराग पासवान ने जमकर बोला हमला, गिनाए कई उदाहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर दलितों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पता है कि उसके पास संख्याबल नहीं है फिर भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा किया। बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) केंद्र के सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिराग पासवान को अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया है।

पक्ष-विपक्ष तैयार, लोकसभा अध्यक्ष को लेकर आर-पार

नहीं बन पाई सहमति, आज होगा चुनाव, बिरला के मुकाबले उतरे के. सुरेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर के पद पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन पाई है। एनडीए की ओर से ओम बिरला ने नामांकन दाखिल कर दिया है। वहीं विपक्ष की ओर से के. सुरेश को कैंडीडेट बनाया गया है। उन्होंने भी नामांकन दाखिल कर दिया है। अब बुधवार को सुबह 11 बजे स्पीकर पद के लिए मतदान होगा। के. सुरेश केरल से कांग्रेस के सांसद हैं और 8वीं बार चुनकर लोकसभा पहुंचे हैं। आंकड़ों को देखते हुए साफ है कि स्पीकर पद पर चुनाव की स्थिति में एनडीए का दावा मजबूत है, लेकिन इंडिया अलायंस को लगता है कि उसके पास अपनी ताकत दिखाने का मौका है। इसलिए उसने डिप्टी स्पीकर का पद देने की शर्त न पूरी होने पर कैंडीडेट ही उतार दिया है। इसके साथ ही भारतीय लोकतंत्र के 72 सालों के इतिहास में ऐसा तीसरी बार होगा, जब स्पीकर के पद पर चुनाव होगा। इस स्थिति के लिए राहुल गांधी ने सरकार पर ही ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने

कहा कि विपक्ष ने स्पीकर पद के लिए सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया था। हमारा कहना था कि आप डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दे दें। ऐसी परंपरा भी रही है।

संक्षिप्त समाचार

15 जुलाई से शुरू होगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज में बन रहे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 15 जुलाई से शुरू हो जाएगा। पटना में मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य और अधीक्षक के साथ स्वास्थ्य विभाग की बैठक में यह फैसला लिया गया। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 21 विशेषज्ञों की तैनाती हुई है। अस्पताल में अभी नेफ्रो और न्यूरो की ओपीडी चलती है। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल शुरू हो जाने से बर्न, प्लास्टिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी जैसे विभाग भी शुरू होंगे। न्यूरो और नेफ्रो की सर्जरी भी होगी। न्यूरो सर्जरी शुरू होने से उत्तर बिहार के मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। एसकेएमसीएच परिसर में सौ करोड़ से अधिक लागत से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण किया गया है। सुपर स्पेशियलिटी का भवन बनकर तैयार हो गया है और सारे उपकरण भी इंस्टॉल कर दिये गये हैं। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य प्रो. आभा रानी सिन्हा ने बताया कि 15 जुलाई से सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल शुरू हो जायेगा।

सबौर प्रखंड कार्यालय सभागार में बाढ़ सुखाड़ को लेकर बैठक आयोजित

भागलपुर/ सबौर, एजेंसी। प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को बाढ़-सुखाड़ को लेकर बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रमुख अभय कुमार ने की। बैठक में बाढ़ को लेकर जीआर लिस्ट सभी पंचायत के मुखिया को उपलब्ध कराया गया। बाढ़ को लेकर सुरक्षित स्थल कौन-कौन है, इसको लेकर लिस्ट मांगी गई है। बीडीओ प्रभात रंजन ने कहा कि बैठक में बाढ़ सुखाड़ को लेकर विचार विमर्श किया गया बाढ़ के पूर्व सभी चीजों की तैयारी दुरुस्त रखने एवं सुरक्षित स्थल चिह्नित करने को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर सीओ सौरभ कुमार फरका पंचायत मुखिया राजेंद्र प्रसाद मंडल बरारी पंचायत मुखिया जय करण पासवान सहित पंचायत समिति के सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ससुराल में युवक की मौत, जहर खिलाकर हत्या का आरोप

भागलपुर/ कहलगांव, एजेंसी। शिवनारायणपुर थाना क्षेत्र के हबीपुर लोंगाय गांव में ससुराल में रह रहे त्रिपुरारी तांती की मौत हो गई। मृतक के पिता ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। मृतक कहलगांव थाना क्षेत्र के सौर गांव शनिवासी खुदेश्वर तांती का पुत्र था। खुदेश्वर तांती ने बताया कि रविवार को त्रिपुरारी द्वारा जहर खाने की बात एक रिश्तेदार ने बताई थी। पुत्र की पत्नी रितु कुमारी और सास जितनी देवी ने सूचना नहीं दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव अपने कब्जे में ले लिया था। थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने कहा कि मृतक के पिता खुदेश्वर तांती ने सास, जेठ सास, साढ़ू समेत चार लोगों के ऊपर जहर खिलाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामला थाने में दर्ज कराया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है।मामले की जांच कर रही है।

15 दुकानदारों से वसूले 10,500 रुपये जुर्माना

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी नगर निगम की ओर से सोमवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। मीना बाजार, गायत्री मंदिर,मधुबन छावनी चौक से अतिक्रमण हटाया गया। नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव ने खुद अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर, अतिक्रमण दंड शुल्क के रूप में 15 दुकानदारों से 10,500 रुपया वसूला गया। इस दौरान सुभाष पार्क के पास अधिक एरिया पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को पीछे हटा उनसे जुर्माना वसूला गया। गांधी चौक के पास अतिक्रमण को लेकर दुकानों से जुर्माना वसूल किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर को साफ-सुथरा व सुंदर बनाना प्राथमिकता है। अभियान में नगर निगम के टैक्स दारोगा अरुण मिश्र, राजेश गुप्ता, प्रफुल्ल चंद आदि थे।

गेहूं के सरकारी दर 2275 रुपए से 150 - 200 रुपया प्रति क्विंटल अधिक दाम बाजार में किसानों को मिला

इस साल अधिकतर पैक्सों ने नहीं की गेहूं की खरीदारी

फारबिसगंज, एजेंसी। इसको लेकर विभाग ने सभी 09 प्रखंडों में कुल 208 पैक्सों एवं व्यापार मंडल में से किसानों से गेहूं की अधिप्राप्ति के लिए केन्द्र बनाया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुरुआत के दिनों में ही जो गेहूं किसानों से खरीद हुई उसके बाद से गेहूं की खरीद नहीं हो पाई। इसका सबसे बड़ा कारण रहा कि गेहूं खरीद के लिए निर्धारित सरकारी दर 2275 रुपए से 150 - 200 रुपया प्रति क्विंटल अधिक दाम बजार में किसानों को मिला।

इसके चलते सरकारी स्तर पर गेहूं खरीद फ्लॉप साबित हुई। जबकि उम्मीद थी कि गेहूं अधिप्राप्ति में तेजी आएगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कुल मिलाकर देखा जाए तो सरकारी स्तर पर गेहूं की खरीदारी में 0.6 फीसदी लक्ष्य ही प्राप्त किया जा सका। खास बात कि विगत वर्ष जिले में 15 पैक्स का चयन किया गया था जहां 14.5 एमटी गेहूं की अधिप्राप्ति हुआ था। जबकि इस बार पूरे जिले के 19 किसानों से मात्र 25 एमटी गेहूं की खरीदारी संभव हो सका। इस बाबत फारबिसगंज प्रखंड के रामपुर दक्षिण पैक्स में दो किसानों से 5 क्विंटल गेहूं की खरीदारी हो सकी। वहीं अररिया प्रखंड में एक किसान से 50 क्विंटल,भरगामा प्रखंड में छह किसान से 183 क्विंटल, जोकीहाट में एक किसान से 7 क्विंटल, कुर्साकांटा प्रखंड में एक किसान से 5 क्विंटल, नरपतगंज में तीन किसान से 3 क्विंटल,पलासी प्रखंड में तीन किसान से 30 क्विंटल, रानीगंज प्रखंड में एक किसान से 5 क्विंटल जबकि सिकटी में एक किसान से 10 क्विंटल गेहूं की खरीदारी संभव हो सका। कुल मिलाकर अगर देखा जाए तो सभी प्रखंडों में निल की स्थिति को तोड़ा जा सका। जिले के सभी नौ प्रखंडों में 6 लाख 70 हजार 463 राशन कार्डधारी हैं। जिन्हें प्रत्येक महीने राशन की जरूरत होती है।

पिछले वर्ष भी सरकार किसानों से सरकारी दर पर गेहूं नहीं खरीद सकी थी। यदि इस बार भी गेहूं के गोदाम खाली रहे तो तय है कि 27 लाख 47 हजार 497 राशन कार्डधारी के सदस्यों को रोटी पर संकट मंडराएगा हालांकि इस बाबत जिला सहकारिता पदाधिकारी अजीत कुमार से मोबाइल के जरिए संपर्क स्थापित करने की कोशिश की गई। मगर उनका मोबाइल नंबर 9899662117 स्विच ऑफ आया। विगत वर्ष की तुलना इस साल गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपए वृद्धि तो की गई।

बावजूद सरकारी कीमत पर बाजार का मूल्य हावी रहा। विगत वर्ष सीजन में 2115 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर खरीद होती थी। इसे बढ़ाकर 2275 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया। यानि पिछले साल की तुलना में इस साल गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपए प्रति क्विंटल वृद्धि की गई। बावजूद किसान अपना गेहूं बेचने तक नहीं पहुंचे। हालांकि जिले के सभी नौ प्रखंडों में अवस्थित पैक्स के द्वारा सिर्फ और सिर्फ किसी तरह तीन - चार किसानों से किसी तरह खरीदारी कर योजना को अमलीजामा पहनाया जा सका। वहीं अधिकांश पैक्सों में न तो क्रय केंद्र खुला और न ही अपना अनाज बेचने किसान पैक्स की दहलीज तक पहुंच सका।

फारबिसगंज सरकारी स्तर पर गेहूं की खरीदारी फ्लॉप साबित हुई। जिले के विभिन्न नौ प्रखंडों में विगत 15 अप्रैल से 15 जून तक गेहूं खरीद की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद 4208 मेट्रिक टन लक्ष्य के अनुरूप मात्र 25 एमटी गेहूं की खरीदारी हो सकी। कहते हैं जिले के विभिन्न खुले बाजारों में गेहूं के दाम अधिक होने से पैक्सों पर सन्नाटा पसरा रहा। जिले में पैक्सों एवं व्यापार मंडल के माध्यम से गेहूं खरीद की स्थिति यह रही कि साठ दिनों में मात्र 19 किसानों से तकरीबन 25 एमटी गेहूं की खरीद हो पाई। जबकि जिले का लक्ष्य 4208 मेट्रिक टन गेहूं खरीदारी का था। जिले में 15 अप्रैल से ही सरकारी स्तर पर गेहूं की खरीदारी शुरु हुई थी।

गेहूं खरीद नहीं होने से इस साल भी गेहूं के गोदाम खाली रह गया। बतादे कि सरकारी क्रय केंद्रों पर किसानों का नहीं पहुंचना काफी गंभीर विषय है। क्योंकि जो गेहूं सरकार के द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता है उसे गोदामों में भंडारण किया जाता है। अब सवाल यह है कि यदि सरकार गेहूं खरीदेगी नहीं तो फिर गरीबों को वितरण कैसे करेगी ? बताते चलें कि गोदामों में भंडारण किए जाने वाले गेहूं को राशन कार्डधारी परिवार के सदस्यों को पीडीएस विक्रेता के माध्यम से वितरण किया जाता है।

शिक्षिका ने जहर खाकर दी जान

मोतिहारी/ तेतरिया, एजेंसी। बीपीएससी से चयनित शिक्षिका से ससुराल वाले ने दहेज में चार पहिया वाहन व 20 लाख रुपए के लिए प्रताड़ित करने से तंग आकर शिक्षिका नेहा कुमारी ने मायके राजेपुर थाना के भुवालीडीह गांव में 21 जून को जहर खाकर जान दे दी। मृतका नेहा कुमारी के पिता राजकुमार गुप्ता ने बताया कि पुत्री की शादी शिवहर के तरियानी छपरा गांव के बेलहिया के आशुतोष कुमार से 22 अप्रैल 2022 को किया था। शादी के एक साल बाद दहेज में चार पहिया वाहन,बीस लाख रुपए के लिए मारपीट व प्रताड़ित करने लगा। मारपीट कर आभूषण,सर्टिफिकेट भी छीन लिया। कहा कि उनके घर पर 21 जून को पूजा था।उसमें नेहा मायके आयी थी। उसी रात में पति ने पत्नी के मोबाइल पर कहा कि जब तक चार पहिया वाहन व बीस लाख रुपए लेकर आओ नहीं तो घर पर आयी तो मार दूंगा। प्रताड़ित करने से तंग आकर जहर खाकर जान दे दी। उसने कहा कि उसकी पुत्री दरभंगा जिला के केवटी में सरकारी विद्यालय में पढ़ाती थी। मृतका के पिता ने मृतका के पति आशुतोष कुमार, ससुर फुल कुमार साह,सास मीना देवी,देवर आशीष कुमार,गेतनी रानी कुमारीपर अहियापुर थाना में आवेदन दिया है।

अब तरल नहीं पाउडर में मिलेगा नीरा, जर्मनी से मिला पेटेंट

भागलपुर, एजेंसी। कार्यालय संवाददाता। बिहार में शराबबंदी के बाद ताड़ी पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया। सरकार की ओर से ताजा नीरा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कवायद की गई, लेकिन इसके स्टोर करने की विधि में सुधार नहीं होने से काफी परेशानी हो रही थी। बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) सबौर ने ताजा नीरा को संरक्षित करने का उपाय ढूंढ़ निकाला। उसे पाउडर में एक विधि से परिवर्तित कर दिया।

अब इस पाउडर का जर्मनी से पेटेंट मिला है। नीरा को पाउडर बनाकर संरक्षित करने की तकनीक बीएयू के डिपार्टमेंट ऑफ फूड साइंस एवं पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नॉलोजी विभाग के डॉ. वसीम सिदद्की ने निकाली है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक नीरा उत्पादकों के लिए व्यापार का एक नया रास्ता खोलेगी। साथ ही इस विधि से नीरा को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे पूरे साल नीरा के स्वाद और आनंद को लेने में मदद करेगी। स्प्रे डायर से बनेगा पाउडर वैज्ञानिक के मुताबिक ताजा नीरा का परिरक्षण अत्यंत कठिन होता है। इस वजह से इस तकनीक में स्प्रे ड्रायर के माध्यम से ताजा नीरा को पाउडर में बदला जाता है। इस विधि में बूंदों को सूखा पाउडर बनाया जाता है। इस पाउडर को करीब एक वर्ष तक एयर टाइट कंटेनर में संरक्षित रखा जा सकता है। इस पाउडर को नीरा इस्तेमाल करने वाले लोग पानी में घोलकर नीरा का स्वाद ले सकते हैं।

पानी में घुलने के बाद इसका फायदा ताजा नीरा के समान ही होता है। इसके आयामों को किसानों की आवश्यकता के अनुसार संशोधित किया जा सकता है।

बिहार के महाराजगंज में प्लंबर की गोली मारकर हत्या, 10 दिन में तीन मर्डर से सनसनी

महाराजगंज, एजेंसी। बिहार के महाराजगंज में प्लंबर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बीते 10 दिन में यह तीसरा मर्डर है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। जिस युवक की हत्या हुई है वह टेघड़ा पंचायत के हरकेशपुर गांव का निवासी है। अपराधियों ने उसको कसदेवरा पंचायत के अकिलटोला के बगउत बाबा के स्थान पर गोली मारी है। इसके साथ ही विगत दस दिनों में अपराधियों ने हत्या की तीसरी घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है। अब चक मिली जानकारी के अनुसार, मृतक हरकेशपुर गांव के रुदल यादव का 27 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार यादव है। अपराधियों ने उसकी कनपटी में गोली मारी है। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह शौच के लिए निकले लोगों ने युवक के शव को बगौत बाबा के चबूतरे पर पड़ा देखा। इसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। चबूतरे पर काफी खून फैला हुआ था। युवक के शव के पास उसकी बाइक लगी थी। पुलिस के अनुसार , अपराधियों ने युवक के कनपटी में गोली मारी है। गोली मारने के बाद अपराधी शव छोड़कर भाग गए। मृतक बाहर रहकर प्लंबरिंग का काम करता था और कुछ दिन पहले ही घर आया था। युवक के पिता कोलकाता में रहकर काम करते हैं। मृतक चार भाईयों में तीसरे नंबर पर था। मृतक के बड़े भाई विदेश में नौकरी करते हैं। मृतक सोमवार की

शाम आकाशी मोड़ बाजार से सब्जी खरीदने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। सुबह होने पर उसकी हत्या की खबर मिली। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ राकेश कुमार रंजन ने बताया कि पुलिस युवक के हत्या की जांच में जुट गई है। आपको बता दें कि इसके पहले 13 जून को महाराजगंज में राजेंद्र चौक के पास दरौंदा थाने के रुकुन्दीपुर गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की दूसरी घटना सोमवार को सारण जिले के जनता बाजार थाने लहलादपुर गांव में एक युवक की हुई थी। इसकी लाश को झुलनिया पुल के नजदीक से पुलिस ने बरामद किया था।

मुजफ्फरपुर के एलएस कॉलेज में प्रिंसिपल ने शिक्षक को मारा थप्पड़

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर के एलएस कॉलेज का एक वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि कॉलेज के प्रिंसिपल ने एग्जाम के दौरान शिक्षक को थप्पड़ मार दिया। यह वीडियो 15 दिसंबर 2023 का है। हालांकि, प्रिंसिपल ओपी राय ने सफाई देते हुए कहा कि इस वीडियो में वे नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि कॉलेज को बदमान करने के लिए कुछ लोगों ने यह साजिश की है। वीडियो में उनका चेहरा एआई के जरिए बदला गया है। यह मामला बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुलपति ने इस मामले पर संज्ञान लिया और पीड़ित शिक्षक से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि शिक्षक ने किसी भी तरह के अभद्र व्यवहार होने से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक यह वीडियो पिछले साल 15 दिसंबर का है। कॉलेज में आयोजित बीपीएससी की शिक्षक बहाली परीक्षा के दौरान क्लासरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज बताया जा रहा है। हालांकि, शिक्षक को थप्पड़ मारने के आरोप पर एलएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय ने सोमवार को कहा कि वह क्यों किसी पर हाथ उठाएंगे? वह तो परीक्षा में केंद्राधीक्षक भी नहीं थे।

वह कॉलेज के उत्थान के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उनके और कॉलेज के खिलाफ साजिश रची गई है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने पीड़ित शिक्षक को अपने दफ्तर बुलाया और उनसे सारी जानकारी ली। कुलपति ने बताया कि शिक्षक के अनुसार उनके साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं हुआ है। प्राचार्य को उन्होंने अभिभावक कहा है। वायरल वीडियो के सामने आने पर दिनभर विश्वविद्यालय में चर्चा का बाजार गर्म रहा। शिक्षक से लेकर कर्मचारी तक इस वीडियो पर चर्चा करते रहे।

सोशल मीडिया पर भी इस वीडियो पर लोग कमेंट करते रहे। हालांकि, कुलपति ने कहा कि अगर शिक्षक को मारा गया है तो गलत है, ऐसा नहीं करना चाहिए था। कुलपति ने कहा कि जिस दिन का यह वीडियो बताया जा रहा है उस दौरान प्राचार्य को कंट्रोल रूम से फोन आया था कि केंद्र पर नकल हो रही है, इसके बाद वह वहां पहुंचे थे। वहीं, सोमवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाए जा रहे पीड़ित शिक्षक ने भी एक वीडियो जारी कर ऐसी किसी भी घटना से इनकार किया और इसे साजिश बताया है।

नीट पेपर लीक में गिरफ्तार बिट्टू, कारू और पंकू निकले साइबर अपराधी

चलाते हैं बड़ा फ्रॉड गैंग

पटना, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले में झारखंड के देवघर से गिरफ्तार तीन सेटर साइबर अपराधी निकले हैं। चिंटू उर्फ बालदेव कुमार 4 मई की देर रात को पटना के खेमनीचक में हुई छापेमारी के बाद ही देवघर फरार हो गया था। उसे कारू उर्फ राजीव कुमार ने अपनी गाड़ी से लेकर देवघर गया था। इनके साथ वहां पंकू कुमार और बिट्टू उर्फ परमजीत सिंह भी गए थे। छापेमारी के दौरान अन्य के साथ ये सभी भी गिरफ्तार हुए थे। जांच में पता चला कि कारू, पंकू और बिट्टू साइबर अपराधी हैं। ये बड़ा गिरोह चलाते हैं। लोगों से हर तरह से साइबर ठगी करते हैं। ठगी के पैसे से ही कारू ने अमेज गाड़ी खरीदी थी। देवघर में एम्स के पास झुन्नू सिंह के जिस फार्म हाउस से इन्हें गिरफ्तार किया गया था, यह इनके छिपने का ठिकाना था। झुन्नु और कारू एक ही गांव नालंदा के एकंगरसराय थाना के कुंडवापर गांव के रहने वाले हैं। इन तीनों का गिरोह बिहार में शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय थाना के मोसीमपुर गांव के रहने वाले कुख्यात साइबर ठग रंजन कुमार के लिए काम करता है। फिलहाल ईओयू की टीम रंजन की तलाश में जुट गई है। चिंटू के संपर्क में आकर इस बार इन तीनों साइबर अपराधियों ने नीट प्रश्न-पत्र लीक मामले में भी हाथ आजमाया। ये लोग ईओयू के हत्थे चढ़ गए और जांच में साइबर ठगी की पूरी करतूत भी सामने आ गई। इसके मद्देनजर ईओयू ने एक अलग से एफआईआर 22 जून को दर्ज की है। ताकि साइबर ठगी और अवैध सिम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। नीट पेपर लीक से साथ ही साइबर ठगी से जुड़े मामलों की गहन जांच होगी।

नीट परीक्षा के एक दिन पहले 4 मई की देर रात पेपर लीक होने और कुछ वाट्सएप ग्रुप पर इसके वितरण की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के खेमनीचक स्थित लर्न्ड एंड प्ले स्कूल एवं ब्यॉज हॉस्टल में छापेमारी की और 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई। पटना के शास्त्री नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

फर्जी तरीके से सिम और मोबाइल लिया था

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इन साइबर ठगों ने फर्जी दस्तावेज की मदद से सिम कार्ड और मोबाइल फोन नवादा के अलावा देवघर समेत कुछ झारखंड के अन्य शहरों से लिए थे। नवादा में जिन डीलरों के यहां से इन्होंने फर्जी दस्तावेज पर सिम लेकर इसे एक्टिवेट कराया था, उन सभी के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। इसके बाद इनके खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। चूंकि दूर संचार मंत्रालय के नियमानुसार, बिना सही पहचान के कोई सिम सक्रिय नहीं करना है। फिर भी इन्हें गलत नाम-पता और दस्तावेज पर सिम सक्रिय करके कैसे मिल गए। फर्जी दस्तावेज पर मोबाइल बेचने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों को गति देते हुए सभी कार्यों को ससमय पूर्ण कराई जाए- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन में मंगलवार को जिला समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि मुख्यालय पटना से प्राप्त विभागीय पत्रों के माध्यम से जो भी कार्य निर्देशित हैं सभी विभागीय पदाधिकारी उन कार्यों को ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं इससे संबंधित प्रतिवेदन जिला को उपलब्ध कराते हुए अपने-अपने विभाग को भी उपलब्ध कराएं।जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि विकास के कार्यों को गति देने में अगर दो या तीन विभागों के सहयोग की जरूरत है तो जहां कहीं भी दिक्कत है या बाधा है उसको इस बैठक में बताएं एवं आपसी सहयोग तथा समन्वय के साथ कार्यों को संपन्न कराएं। कहा कि सभी प्रखंडों के लिए वरीय पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति नए सिरे से कर दी गई है। सभी वरीय पदाधिकारी अपने संबंधित प्रखंडों में भ्रमण कर सरकार की चल रही योजनाओं की जांच करेंगे एवं उसका समय प्रतिवेदन देंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान महादलित दोनों में जरूर जाएंगे और वहां लोगों से मिलकर उनको मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला के वरीय पदाधिकारी भी सप्ताह में एक दिन क्षेत्र भ्रमण करें एवम योजनाओं की जांच कर उसी दिन संध्या में प्रतिवेदन उपलब्ध कराएंगे। वहीं जिला स्तरीय सभी कार्यालयों का एजेन्डावार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे तथा कार्यालय को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे सभी पदाधिकारी एवं कर्मी समय पर कार्यालय आयें एवं बायोमेट्रिक एटेन्डेंस दर्ज करें। सभी पदाधिकारी इससे संबंधित प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को हर माह उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला स्तर के पदाधिकारी सप्ताह में एक दिन अपने आवंटित प्रखण्ड कार्यालय का निरीक्षण करेंगे। जन संवाद से संबंधित मामलों का निष्पादन पदाधिकारी अपने स्तर से करेंगे। प्रत्येक पंचायत में स्पोर्ट्स क्लब के निर्माण पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक माह में दो बार इस तरह की बैठकर आयोजित की जाएगी। अगली बैठक में बायोमैट्रिक अटेंडेंस से संबंधित प्रतिवेदन लिया जाएगा। उन्होंने सभी अंचलों में अनुग्रह अनुदान की लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। धान अधिप्राप्ति, खनन,आपूर्ति,मध् निषेध एवं अभियोजन के मामलों के संबंध में पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विशेष कार्य पदाधिकारी से मिलकर बैठक का आयोजन करें और इसे अगले मासिक टूर प्रोग्राम में भी डलवा दें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा विभाग से संबंधित ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति बनाने का निर्देश प्राप्त हुआ है इसे सुनिश्चित कराई जाए। ग्रामीण कार्य विभाग एवं एनएचएआई से संबंधित मामलों के शीघ्र निष्पादन का संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया। प्रखंडों के लिए प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारियों को जिला के सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी के कार्यायलयों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त समीर सौरभ सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित उपस्थित रहे जबकि प्रखंडों से प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हुए थे।

बीपीएससी शिक्षिका ने विद्यालय के हेडमास्टर पर लगाया छेड़खानी का आरोप

- तुरकौलिया व महिला थाना व डीपीओ को शिक्षिका ने दिया आवेदन
- जांच के लिए डीईओ ने तीन सदस्यीय टीम का किया गठन

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र के जयसिहपुर दक्षिणी पंचायत के एक मिडिल स्कूल में पदस्थापित बीपीएससी शिक्षिका ने अपने ही विद्यालय के हेडमास्टर पर छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित शिक्षिका मुजफ्फरपुर की रहने वाली है। शिक्षिका ने जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित तुरकौलिया व महिला थाना में आवेदन दिया हैं, जिसमे कहा हैं कि उनके विद्यालय के हेडमास्टर नीतीश कुमार गिरि उनके साथ यौन शोषण करने का प्रयास करते है। गलत संबंध बनाने की बात कहते है। शिक्षिका ने आरोप लगाया है कि ऐसा नहीं करने पर नौकरी नहीं कर पायेगी। कही इसकी जानकारी देने पर जान मारने की धमकी देते है। उसने आरोप लगाया है कि विद्यालय में 21 जून को जांच टीम आने वाली थी, उस दिन हेडमास्टर ने कई ग्रामीणों को बुला लिया था। जिस सब ने उसे धमकी दिया। धमकी देने वाले में एक अन्य विद्यालय के हेडमास्टर सहित अन्य लोग को आरोपित की है। हेडमास्टर श्री गिरि ने बताया कि एक साजिश के तहत उनके ऊपर आरोप लगाया जा रहा है। शिक्षिका का दो दिन के वेतन कटने से गलत आरोप लगा रही है। सभी आरोप बेबुनियाद है। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी पूजा विश्वास ने बताया कि मामले की जांच कर करवाई की जाएगी। इसकी प्रति बीडीओ व डीईओ को भेजा जा रहा है। वही डीपीओ ने मामले के जांच के लिए अरेराज बीईओ सहित तीन महिला पदाधिकारी को शामिल कर टीम का गठन किया है।डीपीओ ने कहा,जांच रिपोर्ट के बाद सच्चाई का पता चलेगा और उचित कारवाई की जायेगी।

जिला उर्दू नामा मैगजीन जन-जन तक पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता : हैदर इमाम

बीएनएम। मोतिहारी

गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ावा देने में उर्दू भाषा कारगर

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार सरकार के अधीन उर्दू निदेशालय के तत्वावधान में उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु राज्य भर में कई प्रकार के कार्यक्रम किये जा रहे है। जिला स्तर पर प्रतिवर्ष फरोगे - उर्दू सेमिनार एवं मुशायरा, उर्दू भाषी विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं जिला उर्दू नाम मैगजीन का प्रकाशन किया जाता है। इस क्रम में वर्ष 2023-24 के लिए जिला उर्दू भाषा कोषांग, पूर्वी चम्पारण की तरफ से जिला उर्दू नामा का प्रकाशन किया गया है। जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल एवं उप विकास आयुक्त श्री समीर सौरभ के कुशल नेतृत्व में उर्दू भाषा को बेहतर आयाम तक पहुंचाने हेतु उर्दू भाषा से जुड़े मुशायरा, उर्दू भाषी विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों से उर्दू भाषी समाज एवं आमजन के बीच उर्दू भाषा को विकसित करने तथा गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है। जिला उर्दू नामा के प्रकाशन में जिला में कार्यरत उर्दू कर्मियों एवं मुख्य रूप से जिला उर्दू भाषा कोषांग में पदस्थापित उर्दू अनुवादक कमाल अहमद का विशेष योगदान रहा है। वहीं प्रभारी पदाधिकारी श्री हैदर इमाम अंसारी द्वारा जिला उर्दू नाम मैगजीन का वितरण किया जा रहा है। श्री अंसारी ने बताया कि उर्दू भाषा को विकसित करने हेतु इस मैगजीन को जन-जन तक पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता है। उर्दू भाषा एक मीठी जुबान है। उक्त मौके पर उर्दू अनुवादक कमाल अहमद, गुलाम रब्बानी, दानिश रजा, आई०टी० सहायक ओमप्रकाश कुमार, हामिद रजा, मासूम रजा, किशन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रेल अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों में छह गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

घोड़ासहन आरपीएफ द्वारा रेल अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पोस्ट प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि कर्मभूमि एक्सप्रेस में चेन पुलिग करने केआरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। 05525 सवारी गाड़ी में अनाधिकृत रूप से बोतल का पानी बेचते एक युवक पकड़ाया है।वही दो यात्रियों को महिला कोच तथा दो को दिव्यांग कोच में अनाधिकृत रूप से यात्रा करते पकड़ा गया है। पकड़े गए सभी लोगों को आवश्यक कागजी कार्यवाही के पश्चात अग्रिम कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय रेलवे बेतिया को अग्रसारित किया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल ने समारोहपूर्वक मनाया हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के रक्सौल शहर स्थित श्रीसत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर के सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल के तत्वावधान में हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला समरसता प्रमुख डॉ नवलकिशोर प्रसाद एवं सह प्रांत संघचालक प्रो. राजकिशोर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता ,शिवाजी महाराज ,डॉ. हेडगेवार एवं गुरु गोलवलकर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके उपरांत भगवा ध्वज का आरोहण किया गया । मौके पर जिला सामाजिक प्रमुख डॉ. नवल किशोर प्रसाद ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगल आक्रांताओं से हिन्दू समाज की रक्षा करने और हिन्दूओ को संगठित करने के साथ सन् 1670 में जून महीने में हिन्दू पद पाद शाही की स्थापना की थी ।हम सभी को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित एवं समाज हित में करना चाहिए । सह प्रांत संघ चालक प्रो. राजकिशोर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष में 6 उत्सव मनाता है उनमें एक हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव भी है ।महापुरुष हमें हर वक्त प्रेरणा देते रहते हैं । हम सभी को शिवाजी महाराज से यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति सर्वोपरि नहीं है ,राष्ट्र सर्वोपरि है । इस भाव को आत्मसात कर राष्ट्र को सशक्त करने एवं समाज को संगठित करने पर निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है । मौके पर जिला कार्यवाह दुर्गेश कुमार,जिला सेवा प्रमुख विकास कुमार ,नगर कार्यवाह अमरेन्द्र पाण्डेय ,नगर बौध्दिक प्रमुख इशांत पाण्डेय , जिला विधालयीन कार्य प्रमुख चैतन्य कुमार, जिला व्यवस्था प्रमुख प्रकाश कुमार , जिला सह संपर्क प्रमुख मुन्ना जी , नगर शारीरिक प्रमुख भरत चौरसिया ,नगर व्यवस्था प्रमुख मनोज कुमार,नगर संपर्क सुनील कुमार,नगर सेवा प्रमुख शशि रंजन एवं रजनीश प्रियदर्शी सहित नगर के प्रबुद्ध उपस्थिति रहे।

राज्यपाल से मिलकर शिष्टमंडल ने दिया ज्ञापन, डिग्री कॉलेज की स्वतंत्र इकाई के रूप में मान्यता को स्वीकृति

बीएनएम। हरसिद्धि

पूर्व मंत्री सह अध्यक्ष महावीर रामेश्वर इंटर कॉलेज के पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा की अध्यक्षता में एक शिष्य मंडल महामहिम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलकर इंटर कॉलेज और डिग्री कॉलेज की स्वीकृति विलय करते हुए डिग्री कॉलेज की स्वतंत्र इकाई के रूप में मान्यता को स्वीकृत करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व में शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिलकर हरसिद्धि के शैक्षणिक विकास के लिए ज्ञापन सौंपा दिया। इस शिष्टमंडल में युवा नेता नागार्जुन कुशवाहा, समाजसेवी नवल किशोर प्रसाद और बृजेश कुमार मौजूद रहे। बताते चलें कि डिग्री कॉलेज की मान्यता के संबंध में, अधोहस्ताक्षरी के पिता स्व. रामेश्वर महतो एवं पूर्व जिला परिषद राजेंद्र गुप्ता के पिता महावीर प्रसाद के पूर्ण स्मृति में संयुक्त रूप से दान की गई भूमि, महामहिम राज्यपाल बिहार सरकार के नाम से निबंधित लगभग 03 एकड़ (संबंधित अतिरिक्त 15 एकड़ भूमि तथा भवन, एक ही परिसर में महावीर इंटर कॉलेज हरसिद्धि, वर्ष 1985 से तथा रामेश्वर महावीर इवनिंग डिग्री कॉलेज, हरसिद्धि वर्ष 2011 से संचालित है। वर्तमान में महावीर रामेश्वर इंटर कॉलेज हरसिद्धि के अध्यक्ष अधोहस्ताक्षरी है तथा रामेश्वर महावीर इवनिंग डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष स्वर्गीय महावीर प्रसाद के पौत्र राकेश कुमार गुप्ता एवं सचिव स्वर्गीय रामेश्वर महतो के पौत्र नागार्जुन कुशवाहा है। उल्लेखनीय है कि दोनों शैक्षणिक संस्थान प्रखंड कार्यालय हरसिद्धि के निकट अवस्थित है। निकटवर्ती नगरीय इकाइयों में रक्सौल, बेतिया, मोतिहारी एवं अरेराज से औसतन 25 से 30 किलोमीटर की दूरी स्थित है। वर्णित शैक्षणिक परिसर के निकट राज्य सरकार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। निकटवर्ती एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आवंटित सैकड़ौ छात्र-छात्राएं इन दोनों शैक्षणिक इकाइयों में नागरिकता एवं अध्यनरत है। नामांकित छात्र-छात्राओं में कमजोर आर्थिक समूह, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति जनजाति से संबंध विद्यार्थियों की बहुलता है। ऐसी स्थिति में स्थानीय क्षेत्रीय दृष्टिकोण से उक्त संस्थाओं का अतिशय लोकहित दृष्टिगोचर होता है। पूर्व में मुख्यमंत्री बिहार सरकार के कर कमलों से दोनों दिवंगत विभूतियां स्वर्गीय रामेश्वर महतो एवं स्वर्गीय महावीर प्रसाद की प्रतिमाओं का अनावरण कॉलेज परिसर में किया गया है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दोनों शैक्षणिक इकाइयों महावीर इंटर कॉलेज हरसिद्धि तथा रामेश्वर महावीर इवनिंग इंटर कॉलेज हरसिद्धि को एकीकृत करते हुए मान्यता प्राप्त डिग्री कॉलेज के रूप में स्वीकृतियां संचालन की महती आवश्यकता प्रतीत हो रही है। ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र हरसिद्धि में तमाम कमजोर वर्ग समूहों से संबंधित छात्राएं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुलभ अवसर संभव हो सके। जिसे लेकर पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा ने शिष्टमंडल के साथ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

श्रम विभाग की कार्रवाई में दो बाल श्रमिक मुक्त

बीएनएम। केसरिया

बाल श्रम के विरुद्ध श्रम संसाधन विभाग सख्त है। इसको लेकर बाल श्रम कराने वाले लोगों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में मंगलवार को श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी केसरिया सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जाँच अभियान चलाया गया। इस दौरान दो प्रतिष्ठानों से दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी ने बताया कि विभागीय निदेश के आलोक में बाल श्रम के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जहाँ लाला छापरा स्थित एक होटल से एक व केसरिया कदम चौक स्थित छोटू बिरयानी से एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि विमुक्त बाल श्रमिकों को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष उपस्थापित किया जाएगा। साथ हीं सम्बन्धित नियोजकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी जाएगी। इस कार्रवाई में एलईओ मेहसी रविरंजन, एलईओ विकास कुमार सहित प्रयास संस्था के विजय कुमार शर्मा व पुलिस शामिल रही।

ठनका गिरने से दस वर्षीय बालक की मौत

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र अंतर्गत चारगंहा पंचायत के वार्ड नं 4 परशुरामपुर में मंगलवार की सुबह हुई तेज बारिश में खेत में गया एक 10 वर्षीय किशोर वज्रपात(तड़का) के चपेट में आ गया। जहां उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। घटना के बाबत बताया जाता है कि परशुरामपुर वार्ड नं 4 निवासी छोटेलाल साह का इकलौता पुत्र अंकुश कुमार उम्र 10 वर्ष सुबह का नाश्ता खा कर खेत में चला गया था। जब उसकी मां अपने बेटे को खोजने लगी तो वह घर पर नहीं था। खोजते खोजते खेत में गई तो अंकुश खेत में ही मिला। जहां घर वापस लौटने के क्रम में बज्रपात गिरा। जिससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मृतक के पिता मजदूरी का कार्य करते है। कुछ वर्ष पहले एक लड़की की भी मृत्यु हो गई थी। घर में सिर्फ यही एक इकलौता लड़का था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष पूजा विश्वास ने बताया कि ओडी केस दर्ज किया गया है। अभी तक परिजनों के तरफ से कोई आवेदन नही मिला है। वही मृतक के दरवाजे पर पंचायत समिति सदस्य पति सागर पटेल उर्फ बंगाली ने उसके परिवार वालों को सांत्वना देने पहुंचे थे। सागर पटेल का कहना था की मृतक के परिजनों को सरकार से मुआवाजा दिलवाया जायेगा।

नियमित टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम। केसरिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नियमित टीकाकरण को लेकर चिकित्सक, सीएचओ, जीएनएम व एएनएम को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक डब्ल्यूएचओ के एसएमओ मनोज कुमार ने उपस्थित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सर्वे ड्यूलिस्ट तैयार कर टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीका दिलाने की जानकारी दी। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना ने टीकाकरण से वंचित डेढ़ माह से एक वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को जीरो डोज इम्प्लीमेंटेशन प्लान के तहत टीकाकरण का निदेश दिया। उन्होंने निदेश देते हुए कहा कि इस कार्य को शीघ्र करें। ताकि क्षेत्र का कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहे। प्रशिक्षण शिविर में डॉ प्रमोद कुमार, डॉ राकेश कुमार, डॉ जितेंद्र कुमार, सीएचओ अनुराधा मिश्रा, जीएनएम चाँदनी कुमारी, तनुजा कुमारी, सुरेंद्र सिंह जाट, शोभा कुमारी, एएनएम नीलम कुमारी, बबिता कुमारी, खुशबू कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

ढाका व भोपतपुर से भारी मात्रा में नेपाली एवं विदेशी शराब जब्त,चोरी की बाइक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के ढाका एवं भोपतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर भारी मात्रा में नेपाली एवं विदेशी शराब जब्त किया है। ढाका के कुशमहवा में नेपाली शराब के साथ एक कारोबारी पताही का लखिन्द्र कुमार को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक बाइक बरामद की गई है जो चोरी की बताई गई है। जब्त नेपाली शराब लगभग 99 लीटर बताया गया है। पुलिस इस तथ्य की जानकारी जुटा रही है कि उक्त बाईक किसकी है और कहा से चोरी की गई थी। वही भोपतपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के पुरानीडीह गांव के राजा कुमार के बथान में छापेमारी कर के 259 . 02 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। जब्त शराब

ऑफिसर च्वाईस 180 एमएल फ्रूटी पैक की है जो कार्टून में पैक था। मामले में थानाध्यक्ष आरजू सुमैया ने स्वयं के बयान पर एफआईआर दर्ज किया है। दोनो छापेमारी में पुलिस टीम में ढाका थानाध्यक्ष अभिनन्दन कुमार सिंह,भोपतपुर थानाध्यक्ष,भोपतपुर के एसआई विजय बहादुर राम ,ढाका के पीएसआई शाहिल कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

सरकारी दर पर मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना

बीएनएम। भागलपुर

विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय किसान महासभा के द्वारा मंगलवार को भागलपुर के समाहरणालय परिसर में धरना दिया। धरना दे रहे लोगों की मांग है कि कदवा दियारा में सड़क निर्माण को लेकर सरकार के द्वारा जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। लेकिन सरकारी रेट पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए 2013 में भूमि अधिकरण कानून लागू हुआ था। जिसके तहत 96 हजार रुपया प्रति डिसमिल सरकारी रेट था। लेकिन किसानों को सरकार के द्वारा 72000 हजार रुपया प्रति डिसमिल ही दिया जा रहा है। इसका हम लोग विरोध करते हैं। यदि हम लोगों की मांग यहां पर पूरा नहीं होता तो हम लोग ऊपर तक जाएंगे।

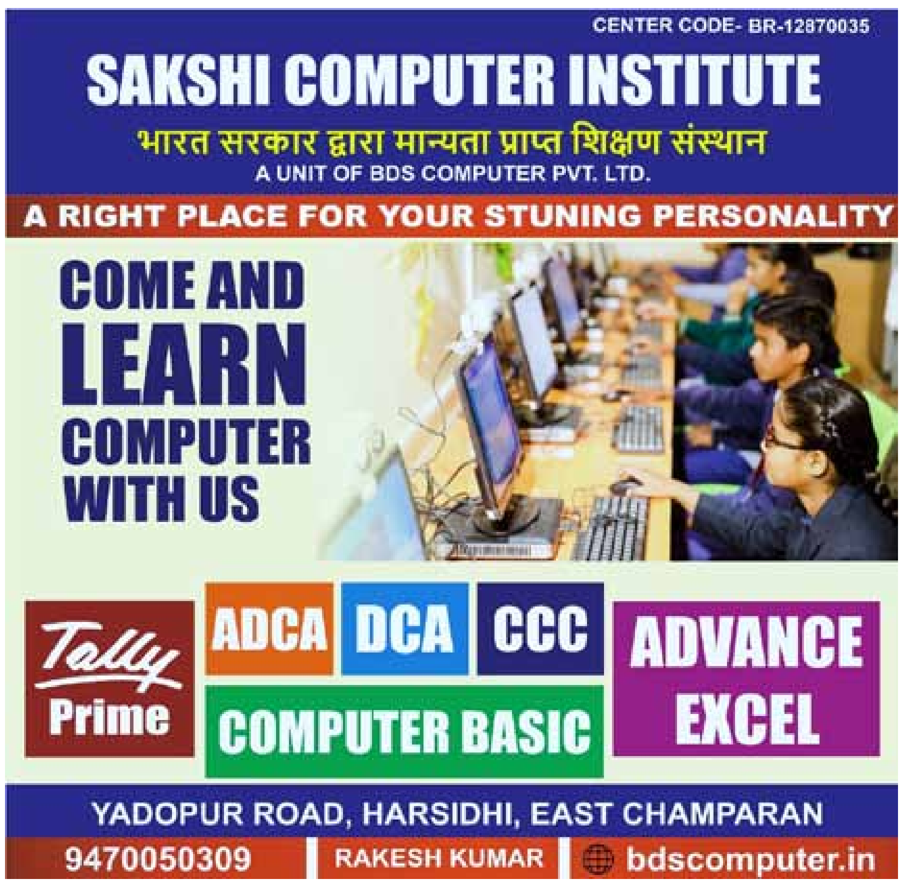

संपादकीय

हमसायों का साथ

भारत में नई सरकार के गठन के बाद भारत की द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी है। उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के दरम्यान के घनिष्ठ संबंधों को और आगे बढाना है। दोनों देशों ने समुद्र क्षेत्र समेत कई अन्य अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने व हरित साझेदारी के साथ समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य व चिकित्सा, आपदा प्रबंधन व मत्स्य पालन भी इसमें शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा नए क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है, जिससे दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा। हसीना ने भारत को विसनीय मित्र बताते हुए 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार व भारतीयों के योगदान को याद किया। भारत की पड़ोसी पहले की नीति के तहत बांग्लादेश महत्त्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देश जल्द नई रेल सेवा व बस सेवा भी चालू करने पर सहमत हैं। पंद्रह दिनों के भीतर हसीना का यह दूसरा भारत दौरा है। कहा जा रहा है, इस करीबी से चीनी सरकार चिंतित हो सकती है। हालांकि बांग्लादेश के चीन के साथ भी अच्छे संबंध हैं। वह कच्चे माल के मामले में उसका प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। इसके बाद हसीना चीन भी जा रही हैं, परंतु भारत ने भी पिछले आठ वर्षो में बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विस्तार में मदद के लिए आठ मिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। 2022-23 के दौरान दोनों देशों के दरम्यान 15.9 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ, जिसके मौजूदा वर्ष में तीव्र गति से बढने की उम्मीद है। गौर करने वाली बात है कि बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा डेवलपमेंट पार्टनर भी है। हालांकि दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन के बदलावों के चलते जनसांख्यकीय व आर्थिक उथल-पुथल झेल रहे हैं। और ये मसले वाकई दोनों ही देशों के लिए परेशानी का सबब हैं। इस समझौते को विकसित भारत 2047 व स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के व्यापक दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। बांग्लादेशी नौजवानों के लिए भारत सिर्फ बेहतरीन जीवन व रोजगार की स्वप्नगाह भर नहीं है। बल्कि एक छोटे से देश का सामथ्र्यवान हमसाया होने का फर्ज निभा कर भारत अपना बड़प्पन भी बखूबी दर्शा रहा है। साथ ही वह प्रमुख एशियाई देश होने का गौरव भी प्राप्त करते हुए दुश्मनी साधने वाले पाकिस्तान को आईना भी दिखा सकता है।

भतीजे पर जताया भरोसा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर अपने फैसले से सभी को चौंकाया है। करीब डेढ़ महीने पहले उन्होंने आम चुनाव के प्रचार के दौरान अपने भतीजे आकाश को अचानक राष्ट्रीय समन्वयक (कोआर्डिनेटर) और उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया था। अब भतीजे पर बुआ ने फिर से भरोसा जताया है और उन्हीं पदों पर दोबारा वापसी कराई है। भतीजे पर दोबारा भरोसा करने की कई खास वजहें हैं। सबसे प्रमुख वजह, आजाद समाज पार्टी और उसके नेता चंद्रशेखर आजाद का तेजी से बहुजन आबादी पर बढ़ता प्रभाव है। आजाद की स्वीकार्यता प्रदेश की बहुजन आबादी खासकर युवाओं दिखती है। मायावती इस बात से आशंकित हैं कि कहीं चंद्रशेखर उनके आधार वोट बैंक को ही जख्मी न कर दे। दूसरी प्रमुख वजह; मायावती का सीधे तौर पर निष्क्रिय होना है। सियासत में करीब 30 साल से ज्यादा समय से सक्रिय मायावती अब बहुजन समाज पार्टी के लिए मेंटोर की भूमिका में रहना चाहती है। हाल के वर्षो में बसपा की लोकप्रियता और कोर वोटर्स में काफी कमी देखी गई है। वोट बैंक के फिसलने से मायावती चिंता में हैं। खराब हालात में भी 19 फीसद मत पाने वाली बसपा इस लोक सभा चुनाव में घटकर 9.39 फीसद पर सिमट गई है।

स्वाभाविक है, पार्टी अपने गौरवशाली अतीत का जब स्मरण करती होगी तो उसे निराशा महसूस होती होगी। पार्टी के अंदर से मिले फीडबैक ने भी मायावती को अपने निर्णय पर फिर से विचार करने के लिए बाध्य किया होगा। एक तरफ चंद्रशेखर आजाद तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने इस बार यह दिखा दिया कि बसपा का कोर वोटर उनके साथ भी कदमताल कर सकता है। दरअसल, मायावती के बारे में विपक्ष यह प्रचारित करने में सफल रहा है कि उनकी पार्टी भाजपा की बी टीम है। बसपा सिर्फ भाजपा को फायदा पहुंचाने के वास्ते प्रत्याशियों का चयन बहुजन समाज से न करके ज्यादा-से-ज्यादा सीटों पर मुस्लिम उम्मीवारों को खड़ा करती है। चूंकि जनता में इस बार केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार को लेकर गुस्सा, लिहाजा जनता ने तीसरे विकल्प को पसंद किया। इस संदेश को मायावती जितना जल्दी समझ लें, बसपा को उतना ही फायदा पहुंचेगा। भतीजे आकाश ने पिछले महीने प्रचार के दौरान यह दिखा दिया है कि पार्टी के लिए वह तुरुप का पत्ता हैं।

मोदी सरकार : कैसा होगा आने वाला कल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार ने अपना काम शुरू कर दिया है । भारत में गठबंधन सरकारों के काम करने और उसके संचालन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। गठबंधन में सरकार का नेतृत्व करने वाले दल और नेता पर साथी दल अधिक से अधिक मंत्री बनाने और जिन्हें वो चाहते हैं उन्हें मंत्री के रूप में स्वीकार करने तथा बाद में अपने अनुसार नीतियां बनवाने या बदलवाने के लिए दबाव डालते रहें। अपनी बात न मानने पर समर्थन वापसी तथा सरकार के अस्थिर होने, गिर जाने, कमजोर हो जाने की घटनाएं भी हमने देखी हैं।

जानते और चाहते हुए भी कई बार प्रधानमंत्री को नीतियों के स्तर पर वैसे कदम उठाने से स्वयं को रोकना पड़ा या उठाए हुए कदम वापस लेने पड़े जो देश के लिए आवश्यक थे। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान ऐसी कई घटनाएं हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार को लेकर कोई आशंका उठती है तो उसे इस पृष्ठभूमि में तत्काल खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि विपक्ष इसे कमजोर व लंगड़ी सरकार बता रहा है, प्रधानमंत्री मोदी के बारे में यह टिप्पणी कर रहा है कि वे शेर से बकरी हो गए हैं तो उससे पूछा जाना चाहिए कि इसके समानांतर अगर सत्ता में वे आते तो उनकी सरकार कैसी होती? कम से कम इस सरकार में एक इतनी बड़ी पार्टी है जिसके आसपास भी कोई दल नहीं। राहुल गांधी जी के शब्दों में अगर यह क्रिपल्ड सरकार है तो 'इंडिया' की सरकार क्या ठोस चट्टान वाली होती?

कहने का तात्पर्य कि हमें आशंकाओं या विपक्ष की अतिवादी आलोचनाओं में जाने की जगह वास्तविकताओं के आधार पर

इसके वर्तमान एवं भविष्य का आकलन करना चाहिए। इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए कि आखिर अब मंत्रिमंडल गठन के बाद सरकार कैसे काम करेगी? सरकार की दिशा और दशा क्या होगी? यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षो में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास अपनी भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े फैसले हुए, कदम उठाए गए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। स्वयं सरकार को और देश को 10 वर्षो के इस अभ्यास से बाहर निकालना कठिन होगा, लेकिन क्या वाकई इससे बाहर निकालने की अभी ही आवश्यकता महसूस होती है या संभावना दिखाई देती है? ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह का खींचतान हमारे सामने नहीं आया। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में साथी दलों के 11 मंत्रियों का होना ऐसी संख्या नहीं है जिसे लेकर इस आरोप को स्वीकार कर लिया जाए कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर साथी दलों का बहुत ज्यादा दबाव था। दूसरे, विभागों के बंटवारे में भी देखें तो जिन्हें जो मिला उसे लेकर कम से कम सार्वजनिक स्तर पर किसी ने भी अपना असंतोष प्रकट नहीं किया है। ज्यादातर का बयान यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विश्व की शीर्ष शक्ति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। गठबंधन सरकारों में साथी दलों के नेता इस तरह बेहिचक प्रधानमंत्री का नाम नहीं लेते थे। तीसरे, इस सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है, शीर्ष मंत्रालयों में फेरबदल न होना। आप देख लीजिए प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय , विदेश मंत्रालय यहां तक कि शिक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय आदि उन्हीं वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में है। सरकार गठन के पहले मीडिया में साथी दलों द्वारा अलग-अलग मंत्रालयों के मांग की अटकलें आ रही थी, जिनमें बिहार द्वारा रेल मंत्रालय की मांग शामिल थी। हालांकि इसकी कहीं से पुष्टि नहीं हुई। कहने का यह अर्थ नहीं कि साथी दलों की अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं और महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप चाहत नहीं होगी और उन्होंने प्रधानमंत्री या अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के समक्ष अपनी बात रखी ही नहीं होगी। आगे भी वह अपनी बात नहीं रखेंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। मूल बात है जिद पर अड़ना और सरकार को मजबूर करके अपने अनुकूल निर्णय बदलवा लेना। उदाहरण के लिए यूपीए सरकार में तृणमूल कांग्रेस की ओर से रेल मंत्री बने दिनेश त्रिवेदी ने अपने बजट में यात्रियों का जैसे ही किराया बढ़ाया ममता बनर्जी बिफर गई। उन्होंने न केवल बजट में परिवर्तन करने बल्कि रेल मंत्रालय से हटाने का फरमान सुनाया और मनमोहन सरकार को ऐसा ही करना पड़ा। कम से कम वह स्थिति इस समय सरकार में नहीं दिख रही है।

इसी तरह किसी सरकार के नेतृत्वकर्ता की अपनी आभा, देश और काम के प्रति समर्पण तथा उसका दृष्टिकोण व लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावकारी होता है। इस मायने में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व अन्य कई प्रधानमंत्रियों से अलग है। साथी दलों में जद (यू) और तेलुगू देशम पहले भी केंद्र और प्रदेश में साथ काम कर चुकी है। उन्हें पता है कि प्रधानमंत्री देश के लिए व्यापक विजन रखते हैं उसमें सभी राज्यों के विकास की उनकी कल्पना है। तो उन्हें नीतियों को लेकर कोई संभ्रम नहीं होगा। वैसे, आमतौर पर गठबंधन सरकारों में यह मांग होती है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यानी समान न्यूनतम कार्यक्रम बनाकर आगे काम किया जाए। न राजग के नेताओं ने चुनाव में जाने के पहले ऐसी मांग की और न सरकार गठन के पूर्व। भाजपा को बहुमत न मिलने के बाद उनके पास इसका अवसर था और वैसा कर सकते थे। अगर उन्होंने मांग नहीं किया तो इसका अर्थ यही है कि पूर्व सरकार की ओर से जो एजेंडा रखा गया है उससे वह सहमत हैं। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा ने पिछले 10 सालों में अपने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद संबंधी एजेंडा पर खुलकर काम किया है और शेष कार्यों के लिए उन्होंने घोषणाएं भी की है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। हां , इतना अवश्य कहा जा सकता है कि पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान मोदी गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है।

-अवधेश कुमार

आपातकाल : निरंकुशता और संघ का निष्क्रिय प्रतिरोध

भारतीय राजनीति में जब कभी भी लोकतांत्रिक इतिहास का कलंकित अध्याय खोला जाएगा, तो वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सांविधानिक प्रावधानों की निर्मम हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून की मध्यरात्रि ही रहेगा। आपातकाल महज नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित करना एवं समाज में पुनः निरंकुश कानून को स्थापित करना भर नहीं था, बल्कि इलाहबाद उच्च न्यायालय में गांधी की एकतरफा हार का प्रमुख कारण रहा। तत्पश्चात अपने हजारों राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को कम कर दिया गया और सरकार के लिए खतरा माने जाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) एक प्रभावशाली संगठन था।

इसके बाद जो हुआ, वह आरएसएस के इतिहास के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक 'निष्क्रिय प्रतिरोध आंदोलन' था, जिसने प्रतिबंध की पुरज़ोर अवहेलना की और अपने संगठनात्मक ढाँचे को काफी हद तक अक्षुण्ण रखा और आपातकाल का विरोध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिरोध के शीर्ष पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बालासाहेब देवरस) थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकताओं और स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि, 'इस असाधारण स्थिति में, स्वयं सेवक अपना संतुलन खोने के लिए बाध्य नहीं हैं। 26 जून, 1975 की सुबह जैसे ही आपातकाल की घोषणा की खबर पूरे भारत में फैली, देश में अविश्वास और भय की भावना फैल गई।

आपातकाल का लागू होना राजनीतिक उथल-पुथल, आर्थिक चुनौतियों और इंदिरा गांधी की बढ़ती सत्तावादी प्रवृत्तियों के दौर की परिणति के रूप में आया। संघ, जो लंबे समय से गांधी की चुनिंदा नीतियों की आलोचना करता रहा, आपातकाल की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर उनके प्रमुख नेताओं

को घेर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि यह संघ की दूरदर्शिता ही थी कि शीर्ष नेतृत्व ने इस तरह के कदम का पूर्वानुमान लगा लिया था।

आपातकाल से कुछ समय पूर्व जैसे-जैसे राजनीतिक तनाव बढ़ा, बालासाहब देवरस और संघ के अन्य वरिष्ठ नेतृत्व ने आकस्मिक योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि संगठन की यह तैयारी उस तूफान का अपनी क्षमतापूर्वक सामना करने में महत्त्वपूर्ण साबित होगी जो इसे घेरने वाला था और जनकल्याण हेतु कार्य में विघ्न उत्पन करने वाला था। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और लोक संघर्ष समिति के संयोजक, नानाजी देशमुख (जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी के बैनर तले विपक्ष को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई) और के. एस. सुदर्शन ने भी पत्रों के माध्यम से विभिन संगठनों के साथ भी संवाद किया। संघ पर सरकार की कार्रवाई त्वरित और कठोर थी। शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर के हजारों कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों तक को गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया। संगठन के कार्यालयों पर छापे मारे गए और दस्तावेज के साथ संपत्ति भी जब्त कर ली गई। 4 जुलाई, 1975 को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कई अन्य संगठनों के साथ संघ को आधिकारिक रूप से 'मीसा कानून' के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस भारी-भरकम दृष्टिकोण के बावजूद संघ नई वास्तविकता के लिए पुनः अनुकूल होने में कामयाब रहा। संघ ने अपने स्थानीय शाखाओं की अनूठी संरचना से राष्ट्र में व्याप्त भय के वातावरण में भी विकेंद्रीकृत नेतृत्व के साथ जनमानस तक केंद्र सरकार की निरंकुश नीतियों का दमन और समाज में अन्य वर्ग के लोगों की सहायता से कई प्रचार-प्रसार के कार्य सफलतापूर्वक किया, जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा सामान्य जनता का भी सरकार के प्रति रोष संघ के लिए अतुलनीय योगदान के रूप में सिद्ध हुआ।

वर्ष 1975 के अंत में जेल से बाहर आकर आपने संदेश में देवरस ने लिखा-'वर्तमान संकट वैचारिक मतभेदों से परे है। लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को हमारे मौलिक अधिकारों पर इस हमले का विरोध करने के लिए एक साथ आना चाहिए। इस निर्देश से संघ और अन्य विपक्षी समूहों के बीच सहयोग बढ़ा, जिसमें समाजवादी और मध्यमार्गी शामिल थे। देवरस ने अहिंसक प्रतिरोध के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया कि वे अधिकारियों के साथ टकराव से बचें जो हिंसा का कारण बन सकते हैं, इसके बजाय सविनय अवज्ञा और भूमिगत संगठनात्मक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी औपचारिक संरचनाओं के बाधित होने के कारण आरएसएस ने संगठन को सुचारू रूप से सक्रिय रखने के लिए भूमिगत संचालन के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक इसकी दैनिक शाखाओं की निरंतरता को रखा। आपातकाल के दौरान संघ ने भारत के सबसे काले समय में लोकतांत्रिक परिवर्तन की संभावना को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। चाहे कोई संघ की विचारधारा से सहमत हो या नहीं, आपातकाल के दौरान इसकी भूमिका को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण अध्याय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

-डॉ. प्रशांत बड़थ्वाल

आज का पंचांग

26 जून को आषाढ़ कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि और बुधवार का दिन है। पंचमी तिथि बुधवार रात 8 बजकर 56 मिनट तक रहेगी। 26 जून को देर रात 3 बजकर 20 मिनट तक प्रीति योग रहेगा। साथ ही बुधवार दोपहर 1 बजकर 5 मिनट तक धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आज कोई मनोकामना पूर्ण होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी मिलेगी. राजनीतिक में कोई में महत्वाकांक्षा पूरी होगी. किसी लंबी यात्रा पर जाना पड़ सकता है. कार्य क्षेत्र में किसी साथी से आपको सहयोग एवं समर्थन मिलेगा. वाहन खरीदने की अभिलाषा पूर्ण होगी. किसी दूर देश से परिजन का घर आगमन होगा.

वृषभ : आज गायन के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता अथवा सम्मान मिलेगा. व्यापार में आय बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे. किसी राजनीतिक व्यक्ति से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी. सामाजिक कार्यों में आपकी मधुर वाणी एवं सरल व्यवहार के कारण आपको सफलता एवं सम्मान मिलेगा.

मिथुन : आज आपके साहस एवं पराक्रम को देख विरोधीयों के छक्के छूट जाएंगे. व्यापार में कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलने के योग हैं. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा राजनीतिक व्यक्ति के सहयोग से दूर होगी. बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा.

कर्क : आज का दिन विशेष शुभ, उन्नति कारक नहीं रहेगा. महत्वपूर्ण कार्य में संघर्ष बढ़ सकता है. सामाजिक कार्य में संयम पूर्वक आचरण करें. विरोधी पक्ष आपको नीचा दिखाने की कोशिश कर सकते हैं. इस संबंध में सावधानी बरते. कार्य क्षेत्र में परिश्रम के बावजूद भी उस अनुपात में फल प्राप्त नहीं होगा. सहयोगी जनों से मतभेद उभर सकते हैं. किसी के बहकावे में न आए.

सिंह : आज रोजगार व्यापार में अकारण विघ्न बाधा का सामना करना पड़ सकता है. कार्य क्षेत्र में संघर्ष के बाद कुछ सफलता प्राप्त होने की संभावना रहेगी. अपनी ही गलती से हानि उठानी पड़ सकती है. बिना सोचे समझे कुछ ना करें. न किसी से कुछ कहें.

कन्या : आज नौकरी में उच्च अधिकारी से निकटता बढ़ेगी. व्यापार में पिता से सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा. किसी भी प्रियजन का दूर देश से शुभ समाचार रहेगा. भूमि के क्रय में लगे लोगों को कड़ी मेहनत के बाद बड़ी सफलता मिलेगी. नए उद्योग धंधे की शुरुआत कर सकते हैं.

तुला : आज पूर्व से रुके हुए कार्य सिद्ध होने के योग बनेंगे. उच्च पद प्रतिष्ठित लोगों के साथ संपर्क बनेंगे. राजनीति के क्षेत्र में अभिरुचि बढ़ेगी. लोग आपके नम्र व्यवहार से प्रभावित होंगे. सामाजिक धार्मिक कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी. आप अपने पराक्रम से आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल होंगे.

वृश्चिक : आज कार्य क्षेत्र में शत्रु के षड्यंत्र से सावधान रहे. व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. किसी के बहकावे में सामाजिक मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपने ऊपर भरोसा रखें. कार्य व्यवसाय के क्षेत्र के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी. रचनात्मक रूप से कार्य करने से लाभ होगा.

धनु : आज का दिन उन्नति कारक रहेगा. कार्य क्षेत्र के संबंध में नवीन कार्य योजना आदि बनेगी. भविष्य में इसका अच्छा लाभ प्राप्त होने के योग बनेंगे. आप अपने साहस एवं पराक्रम और बुद्धि विवेक से अपनी परिस्थितियों को अनुकूल बनाने व्यवहार को सकारात्मक बनाने का प्रयास करें.

मकर : कार्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी मिलने से प्रभाव बढ़ेगा. यात्रा में मनोरंजन का आनंद उठाते हुए सुखपूर्वक अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे. राजनीति में आपके भाषण का प्रभाव जनता पर अच्छा पड़ेगा. गृहस्थ जीवन में आकर्षण एवं प्रेम बढ़ेगा. रोजगार व व्यापार में उन्नति प्रगति होगी.

कुंभ : आज दिन की शुरुआत किसी भी शुभ समाचार के साथ होगी. राजनीति के क्षेत्र में लोगों को अपार जन समर्थन मिलेगा. कार्य क्षेत्र में सहयोगियों से घनिष्ठता बढ़ेगी. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा. नौकरी में निकटता का लाभ मिलेगा. किसी मांगलिक उत्सव में जाना होगा.

मीन : आज कार्य क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं का सामना करना पड़ेगा. आप और धैर्य से काम लें. व्यापार में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे. नए व्यापार शुरू कर सकते हैं. उद्योग धंधे में पूंजी निवेश सोच समझ कर करें. राजनीति में किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति से मार्गदर्शन एवं सानिध्य मिलेगा. परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी.

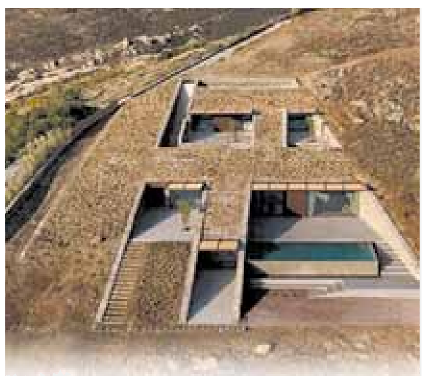

ग्रीस में चट्टानों के बीचोंबीच बना है ये घर

युरोपीय देश ग्रीस में एक द्वीप हैं। अजियन समुद्र के तट पर बसा ऐसी ही एक द्वीप टीनो अनोखे घरों और लैंडस्केप के लिए विख्यात है। द लैप पूल हाउस नाम का यह घर आर्किटेक्चर और डिज़ाइनिंग मे रूचि रखने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

गुफाओं और चट्टानों के प्रेरित होकर घर आर्टिसाइडस डल्लास आर्किटेक्टस ने डिज़ाइन किया है। घर का प्रवेश द्वार पीछे जमीन में एक दरार से होकर जाता है। वहीं छत पर अलग अलग जगह मौजूद दरारों से रोशनी और हवा अंदर आ सकती है। इस इलाके चलने वाली सर्द उत्तरी हवाओं से भी ये घर बचाता है।

क्रिस्टियन शावन कैनाल पर बना सर्किल ब्रिज है कला का बेहतरीन नमूना

डेनमार्क के ईसाईशवन क्षेत्र में ईसाईशवन नहर के दक्षिणी मुहाने पर फैला ये पुल डेनमार्क की राजधानी में कोपेनहेगन हार्बर के आसपास के इलाकों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करता है। कला का बेहतरीन नमूना पेश करने वाले इस पुल को देखकर जहाज के किनारे का आभास होता है। एक नहर में फैले इस पुल को तैयार करने के लिए बेहतरीन तकनीक के साथ 5 परस्पर जुड़े हुए वृत्तों को स्टील केबल्स के साथ पिरोया गया है। इस पुल को हजारों पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के हिसाब से डिजाइन किया गया है। पुल को विश्व प्रसिद्ध ओलाफुर एलियासन ने डिजाइन किया है। एक कलाकार के रूप में अपने करियर के दौरान उन्होंने कोपेनहेगन, न्यूयॉर्क और बर्लिन में कई अन्य स्थानों में एकल प्रदर्शनियां आयोजित की हैं और निश्चित रूप से उन्होंने दुनिया भर में कई स्थापनाएं, कलाकृतियां और वास्तुशिल्प डिजाइन किए हैं, जिनमें अब सर्किल ब्रिज भी शामिल है।

इन मंदिरों में प्रसाद में कहीं चॉकलेट तो कहीं मिलता है डोसा

पौराणिक लोक कथाओं के मुताबिक़ इस सृष्टि में कुल 33 करोड़ देवी-देवता हैं. इस संसार में जितने देवी-देवता उतने ही मंदिर और करोड़ों की संख्या में उनके भक्त. आप भारत के किसी भी हिस्से में पहुंच जाएं आपको हर जगह मंदिर ज़रूर मिल जाएंगे. भगवान के आशीर्वाद और प्रसाद के लिए भक्त हज़ारों किमी की यात्रा करके दर्शन करने पहुंचते हैं. हिंदू धर्म में प्रसाद का बेहद महत्व होता है, भक्त तब तक मंदिर की चौखट नहीं छोड़ता, जब तक उसे प्रसाद नहीं मिल जाता.

आज हम भारत के कुछ ऐसे ही मंदिरों की लिस्ट लाये हैं जहां मिठाई, बताशे या गुड़ नहीं, बल्कि कुछ और ही चढ़ाया जाता है. इन मंदिरों में भक्तों को मिलने वाला प्रसाद भी अनोखा होता है. चलिए जानते हैं वो कौन से मंदिर हैं जो अपने अनोखे प्रसाद के लिए प्रसिद्ध हैं.

काल भैरव मंदिर (उज्जैन)

उज्जैन की शिप्रा नदी के किनारे पर स्थित काल भैरव मंदिर में भक्त काल भैरव को 'शराब' चढ़ाते हैं. यही शराब भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित भी की जाती है.

जय दुर्गा पीठम मंदिर (चेन्नई)

चेन्नई के पडप्पई में स्थित जय दुर्गा पीठम मंदिर में प्रसाद के रूप में लोगों को 'ब्राउनी, बर्गर, सैंडविच और चैरी-टमाटर का सलाद' दिया जाता है. इस मंदिर की सबसे ख़ास बात ये है कि इसका प्रसाद FSSAI से प्रमाणित है, जिसमें एक्सपायरी डेट भी लिखी होती है. मंदिर में लगी वेंडिंग मशीन में टोकन डालकर भक्त प्रसाद का डिब्बा पाते हैं.

करणी माता मंदिर (राजस्थान)

राजस्थान के बीकानेर में स्थित करणी माता मंदिर चूहों की वजह से विश्व विख्यात है. इस मंदिर में भक्तों को 'चूहों का झूठा प्रसाद' दिया जाता है. कहा जाता है कि इस मंदिर में 20 हज़ार से ज्यादा चूहे रहते हैं, जिन्हें माता करणी की संतान माना जाता है. यहां हर साल लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुंचते हैं और चूहों का जूठा प्रसाद ग्रहण करते हैं.

पडप्पई मंदिर (चेन्नई)

चेन्नई के पडप्पई मंदिर प्रशासन ने 'बर्थडे केक प्रसादम' की भी शुरुआत की है. इसके अंतर्गत भक्तों को उनके बर्थडे पर केक के रूप में विशेष प्रसाद दिया जाता है. मंदिर में इसका रिकॉर्ड रहे इसके लिए भक्तों की जन्मतिथि और उनका पता लिखा जाता है.

कामाख्या देवी मंदिर (गुवाहाटी)

असम के गुवाहाटी स्थित विश्व विख्यात कामाख्या देवी मंदिर में माता का मासिक धर्म के दौरान भीगा हुआ कपड़ा प्रसाद के रुप में बांटा जाता है.

बालसुब्रमणिया मंदिर (केरल)

केरल के बालसुब्रमणिया मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'चॉकलेट' दी जाती हैं. स्थानीय मान्यता के मुताबिक़, बालामुरुगन भगवान को चॉकलेट बेहद पसंद है, इसीलिए यहां प्रसाद के रूप में चॉकलेट चढाने की परंपरा है.

काली माता मंदिर (कोलकाता)

कोलकाता के टांगरा क्षेत्र में स्थित काली माता मंदिर में भक्तों को चाइनीज़ प्रसाद दिया जाता है. इस मंदिर में भक्त 'नूडल्स, चावल और सब्जियों' का भोग लगाते हैं. दरअसल, कोलकाता के जिस क्षेत्र में ये मंदिर स्थित है, वहां चाइनीज़ लोगों की अधिकता है. इसीलिए यहां पर विशेष तरह का प्रसाद वितरित किया जाता है.

गोगामेड़ी मंदिर (राजस्थान)

राजस्थान के हनुमानगढ़ ज़िले में स्थित गोगामेड़ी मंदिर में भक्त प्रसाद के रूप लोकदेवता गोगा जी को 'प्याज' चढ़ाते हैं. यही प्याज भक्तों को प्रसाद के रूप में मिलता है.

अलागार मंदिर (तमिलनाडु)

दक्षिण भारत में वैसे तो कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, लेकिन तमिलनाडु के मदुरई में बना भगवान विष्णु को समर्पित अलागार मंदिर अपने अनोखे प्रसाद के लिए प्रसिद्ध है. इस मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'डोसा' बांटा जाता है.

थ्रिसुर महादेव मंदिर (केरल)

केरल का थ्रिसुर महादेव मंदिर अपने अनोखे प्रसाद के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है. इस मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में धार्मिक चीजों से जुड़ी सीडी, डीवीडी किताबें वितरण की जाती हैं. मंदिर के ट्रस्ट का मानना है कि धर्म और ज्ञान के प्रचार और प्रसार से बड़ा प्रसाद और क्या हो सकता है.

शिव मंदिर (उत्तर प्रदेश)

आपने भैरव बाबा के मंदिर में शराब चढाने के बारे में तो सुना ही होगा. क्या कभी ये सुना है कि शिवलिंग का अभिषेक शराब से किया जाता है? शायद नहीं, लेकिन यूपी के सीतापुर ज़िले में एक ऐसा शिव मंदिर है, जहां भोलेनाथ का अभिषेक शराब से होता है. प्रसाद के तौर पर ये शराब यहां के बंदर पी जाते हैं.

मुनियंडी स्वामी मंदिर (तमिलनाडु)

आप सभी बिरयानी प्रेमियों के लिए तमिलनाडु के मदुरै ज़िले के वडक्कमपट्टी गांव में मुनियंडी स्वामी मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'चिकन बिरयानी' परोसी जाती है. इस मंदिर में हर साल 3 दिन का उत्सव मनाया जाता है. इस दौरान भक्तों को चिकन और मटन बिरयानी प्रसाद के रूप में दिया जाता है.

पाकिस्तान में मिला 2300 साल पुराना बौद्ध मंदिर

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पुरातत्वविदों ने बौद्ध काल के एक मंदिर की खोज की है, जिसे 2300 साल पुराना बताया जा रहा है। इसके अलावा कुछ अन्य बेशकीमती कलाकृतियां भी खुदाई के दौरान मिली हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में मिले इस मंदिर को एक वरिष्ठ अधिकारी ने पाकिस्तान के तक्षशिला में मिले मंदिरों से भी पुराना बताया है। मंदिर की खुदाई के

दौरान पाकिस्तानी और इटैलियन पुरातत्व विशेषज्ञों को मंदिर से जुड़ी कुछ अन्य सामान भी बरामद किया है। मंदिर के अलावा पुरातत्वविदों ने बौद्धकालीन 2,700 से अधिक अन्य कलाकृतियां भी बरामद की हैं, जिनमें सिक्के, अंगूठियां, बर्तन और यूनान के राजा मिनांदर के कान की खरोष्ठी भाषा में लिखी सामग्री भी शामिल हैं । इतालवी विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि स्वात जिले के एतिहासिक बजीरा शहर में खुदाई के दौरान और भी स्थल मिल सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले साल 2020 में पाकिस्तान के स्वात जिले में ही खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को विष्णु मंदिर के अवशेष भी मिले थे। यह मंदिर कम-से-कम 1,000 साल पुराना था। इस मंदिर की खोज भी पाकिस्तान और इटली के पुरातत्वविदों के संयुक्त दल ने ही की थी।

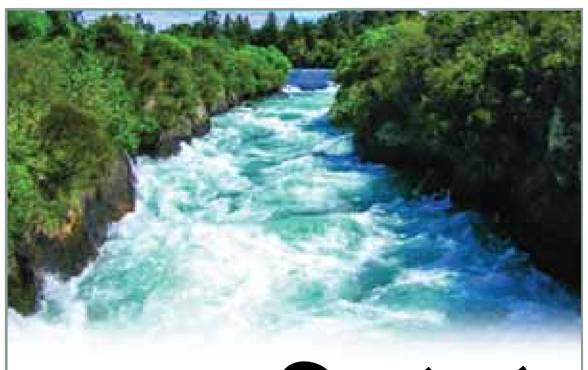

इन नदियों में कभी ना करें जाने की कोशिश

मानवीय इतिहास को कुरेदा जाए तो नदियां इंसानी सभ्यता का हिस्सा रही हैं। पानी के बिना जीवन की कल्पना करना नामुमकिन है। इसलिए हमें बचपन से ही सिखाया जाता है 'जल ही जीवन है'। पृथ्वी पर लाखों छोटी-बड़ी नदियां बहती हैं।

भारत समेत कई देशों में नदियों को पूजा भी जाता है, क्योंकि ये जीवनदायनी हैं। लेकिन, बात पूरे विश्व की कि जाए तो कुछ ऐसी भी नदियां है, जो इंसानों के लिए यमराज से मुलाकात करने के समान है। आज हम आपको विश्व में बहने वाली ऐसी ही पांच नदियों के बारे में बताएंगे, जहां जाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता।

अमेजन नदी

दक्षिण अमेरिका से निकलने वाली 'अमेजन नदी' दुनिया की सबसे बड़ी और लंबी नदी है, जिसकी लंबाई 6200 किलोमीटर से लेकर 7,000 किलोमीटर तक मानी जाती है। अमेजन नदी की घाटी दक्षिण अमेरिका के आठ देशों में फैली है। नदी के आस-पास 300 करोड़ की आबादी बस्ती है। ब्राजील, बोलीविया, पेरू, इक्काडोर, कोलंबिया, वेनेज़ुएला, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना तक यह नदी बहती है। घने जंगलों के बीच बहने वाली इस नदी में कई तरह खतरनाक जीव पाए जाते हैं। इस नदी पर कई फिल्में भी बनाई जा चुकी हैं। नदी के आस-पास मौजूद जंगल को धरती के फेफड़े भी कहा जाता है।

रेड रिवर

रेड रिवर देखने में जितनी खूबसूरत नजर आती है उतनी ही खतरनाक भी है। अमेरिका के दक्षिणी हिस्से में बहने वाली ये नदी रातों रात खतरनाक हो जाती है। उसका यही बदलाव स्थानीय लोगों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बन जाता है। इसके अलावा नदी में खतरनाक भंवर है। जिसकी चपेट में आया इंसान या जानवर कभी नहीं बच पाता। नदी के अचानक बदलते नेचर के चलते ही इसको खतरनाक माना जाता है।

शाने टिम्पिस्का

अमेजन नदी की सहायक नदी 'शाने टिम्पिस्का' नदी का पानी चाय या कॉफी से भी ज्यादा गर्म है। इस नदी का पानी दो सौ डिग्री सेल्सियस के तापमान पर खौलता है। वैज्ञानिकों को अभी तक इसके पीछे का कारण नहीं पता चला। पेरू से लगे हुए अमेजन जंगल में इस नदी को बॉयलिंग रिवर नाम दिया गया है। इसके अलावा इसको थर्मल रिवर, बॉयलिंग रिवर और मयानतुयाकू नाम भी दिए गए हैं।

येलो रिवर

चीन की येलो रिवर दुनिया की खतरनाक नदियों में शामिल है। दरअसल, ये नदी अपने बहाव क्षेत्र में 24 बार बदलाव करती है। जो चीन में हर साल बाढ़ से होने तबाही की वजह बनती है। चीन के लोग इसे दुख की नदी भी कहते हैं। क्योंकि, रौद्र रूप धारण करने के बाद येलो रिवर अपने रस्ते में आने वाली हर चीज़ को तबाह करती आगे बढ़ती है। इसकी वजह से चीन में हर साल हज़ारों लोगों की जान चली जाती है।

रिओ टिंटो रिवर

खून की तरह लाल ये नदी स्पेन में बहती है। रिओ टिंटो का रंग दुनिया में बहने वाली अन्य नदियों से बिल्कुल अलग है। सोने-चांदी और तांबे की खदानों के बीच से होकर बहने वाली इस नदी के पानी का कहीं भी इस्तेमाल नहीं किया जाता। लावे की तरह बहती इस नदी में कुछ ही जलीय सूक्ष्मजीव ही रहते हैं जो इसके तेजाबी पानी को सहन कर पाते हैं। यह स्पेन के सिएर्रा मोरेना पहाड़ श्रृंखला से निकलती है और अन्ध महासागर में जाकर गिर जाती है।

दुनिया के अजीबों गरीब टैक्स मुस्कुराओ या कंफ्यूज हो जाओ

इस दुनिया में आए हैं, तो टैक्स तो देना पड़ेगा. चाय, बिस्कुट या हो कोई महंगी चीज़ आप हर चीज़ के लिए टैक्स देते हैं. अगर सैलरी अधिक है तो उनको तो देना ही देना है.

हम सब जानते हैं कि इनके लिए टैक्स देना पड़ता है. लेकिन कुछ-कुछ टैक्स का मतलब समझ पाना मानो असंभव सा लगता है. दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें है, जहां सरकार बेफ़िज़ूल की चीज़ों पर टैक्स लगा कर लोगों से पैसे ले रही है सरकारें. ख़ास बात ये है कि इन टैक्स के नाम पढ़कर शायद आप मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ. चलिए इसी क्रम में दुनिया के कोने-कोने से अजीबों गरीब टैक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो अगर नहीं होते, टैक्स जैसी चीज़ मज़ेदार नहीं लगती. नज़र डालते हैं इन अजीबो गरीब टैक्स की लिस्ट पर

टैटू टैक्स

क्या आपने कभी सुना है की टैटू बनवाने के लिए भी टैक्स देना ज़रूरी होता है? लोग टैटू अपने शरीर पर कुछ यादों को छपवाने के लिए बनवाते हैं. लेकिन इसके लिए भी उन्हें एक कीमत चुकानी पड़ती है. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अर्कांसस 2002 से विभिन्न टैटू स्टूडियो से सेल्स टैक्स लेता है.

बैचलर टैक्स

क्या मतलब कोई अपनी मर्ज़ी से अकेले भी नहीं रह सकता है क्या? ये टैक्स संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसौरी में लिया जाता है. यहां 21 साल से 50 साल के बैचलर पुरुषों से 1 डॉलर टैक्स लिया जाता है.

कद्दू टैक्स

कद्दू सुनते ही दिमाग में हैलोवीन का त्योहार आ जाता है. जहां लोग खूब सजते और संवरते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में कद्दू एक कर-मुक्त खाना है, लेकिन अगर इसे पेंट, वार्निश या काटकर और सजावट के रूप में बेचा जाता है, तो इसपर सेल्स टैक्स लगता है.

खिड़की टैक्स

इस टैक्स को प्रॉपर्टी टैक्स भी कहा जाता है. इस टैक्स को लगाने का एक ही उद्देश्य था. इस टैक्स में लोगों के घरों में कितनी खिड़कियां हैं, उसपर लगता था. ताकि अमीर और गरीब का पता लगाया जा सके. लेकिन बाद में इन देशों द्वारा इस तरह के करधन के ख़िलाफ़ बहुत से आंदोलन के कारण इसे ख़त्म कर दिया गया था.

ब्लूबेरी टैक्स

ब्लूबेरी टैक्स फलों की अधिक कटाई को रोकने के लिए लगाया जाता है. जो बदले में वनस्पति को पनपने में मदद करता है. यूनाइटेड स्टेट्स के मेन में काफ़ी ज़्यादा है. इसीलिए मेन में, ब्लूबेरी के उत्पादन पर प्रति पाउंड डेढ़ पैसा टैक्स लगाया जाता है.

प्लेइंग कार्ड टैक्स

एक कारण है कि अलबामा अपने कैसीनो के लिए क्यों नहीं जाना जाता है और इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स है. अलबामा संघ का एकमात्र राज्य है जिसने राज्य के भीतर ख़रीदे गए कार्डों के डेक के लिए 10% प्लेइंग कार्ड टैक्स चार्ज करता है.

टॉयलेट फ्लश टैक्स

पानी के ख़र्च पर नज़र रखने के लिए ये टैक्स मैरीलैंड में लगाया था. जहां 5 डॉलर प्रति माह का टैक्स लगता है. जो बाद में मैरीलैंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम में जाता है.

कैंडी टैक्स

कोई टॉफ़ी और कैंडी पर कैसे टैक्स लगा सकता है? लेकिन Chicago में ऐसा होता है. कैंडी अगर मैदा या आटा से बनी हो, तो उसपर साधारण टैक्स लगता है. वहीं अगर कैंडी बिना मैदा के बनती है, तो उसपर 5.25% का टैक्स लगाया जाता है.

फैट टैक्स

भारत के केरल राज्य में 14.5% का टैक्स लिया जाता है. ताकि लोग कम मात्रा में जंक खाना खाएं और अपने स्वास्थ्य के ऊपर ध्यान दें.

एंटरटेनमेंट टैक्स

फैट टैक्स ही नहीं, बल्कि भारत में एंटरटेनमेंट टैक्स भी लिया जाता है. हां, एक स्पेशल तरह का टैक्स है, जो स्पोर्ट्स इवेंट, मूवीज़ और थिएटर शो पर लगता है जो हर एक राज्य में अलग-अलग होता है.

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक जीत दर्ज करने के बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी की

ग्रोस आइलेट। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अग्रणी रन-स्कोरर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने इस प्रारूप में बतौर कप्तान सर्वाधिक जीत दर्ज करने के अपने समकक्ष पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले के दौरान हासिल की। रोहित ने मैच में 41 गेंदों पर 7 चौके और 8 छक्के की बदौलत 92 रनों की तूफानी पारी खेली। 157 मैचों में, अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 32.03 की औसत और 140.75 की स्ट्राइक रेट से 4,165 रन बनाए हैं। बाबर 123 मैचों में 41.03 की औसत से 4,145 रन बनाकर दूसरे स्थान पर खिसक गए। जबकि कोहली 123 मैचों में 48.84 की औसत से 4,103 रन बनाकर तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके अलावा इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हराने के बाद रोहित ने बतौर कप्तान अपनी 48वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत हासिल की।

बाबर ने भी 85 मैचों में टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पाकिस्तान के कप्तान के रूप में 48 जीत दर्ज की है। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। विराट कोहली (00) के जल्दी आउट होने के बाद रोहित शर्मा (41 गेंद, 92 रन, 7 चौके, 8 छक्के) ने तूफानी पारी खेली, उन्हें सूर्य कुमार यादव (16 गेंद 31 रन, 3 चौके, 2 छक्के), शिवम दुबे (22 गेंद, 28 रन, 2 चौके 1 छक्का) और हार्दिक पांड्या (17 गेंद 27 रन 1 चौका, 2 छक्का) का अच्छा साथ मिला औऱ भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने डेविड वार्नर (6) का विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड (43 गेंद 76 रन, 9 चौके 4 छक्के), मिचेल मार्श (28 गेंद, 37 रन 3 चौके, 2 छक्के) और ग्लेन मैक्सवेल (12 गेंद 20 रन 2 चौके, 1 छक्का) ने एक समय भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं, लेकिन कुलदीप यादव (4 ओवर 24 रन 2 विकेट) और अर्शदीप सिंह (4 ओवर 37 रन 3 विकेट) ने बेहतरीन गेंदबाजी कर मैच को भारत के पक्ष में कर दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा 4 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

किंग्सटाउन। अफगानिस्तान के स्पिनर और कप्तान राशिद खान ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। वह पुरुष टी 20 आई में सबसे अधिक बार चार विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए। राशिद ने यह उपलब्धि अर्नोस वेले ग्राउंड पर टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हासिल की। वर्तमान में, 25 वर्षीय राशिद के नाम टी20आई में नौ बार चार विकेट दर्ज हैं। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन आठ बार चार विकेट लेने के साथ चार्ट में दूसरे स्थान पर हैं। युगांडा के हेनरी सेन्योंडो सात बार चार विकेट लेने के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में, राशिद ने चार विकेट लिए और अपने चार ओवर के स्पेल में 5.80 की इकॉनमी रेट से 23 रन दिए। उन्होंने सौम्य सरकार, तौहीद हृदय, महमूदुल्लाह और रिशाद हुसैन के विकेट लिए। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस जीतने के बाद राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ बल्लेबाजी करने का फैसला किया। रहमानुल्लाह गुरबाज (55 गेंदों पर 43 रन, 3 चौके और 1 छक्का) इब्राहिम जादरान

(29 गेंदों पर 18 रन, 1 चौका) और राशिद खान (10 गेंदों पर 19* रन, 3 छक्के) ने अफगान टीम के लिए शानदार पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 5 विकेट पर 115 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने अपने चार ओवर के स्पेल में तीन विकेट चटकाए और 26 रन दिए। बारिश के कारण बांग्लादेश को 19 ओवर में 114 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। बांग्लादेश के लिए केवल लिटन दास (49 गेंदों पर 54* रन, 5 चौके और 1 छक्का) ही कुछ संघर्ष कर सके और नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। बांग्लादेश की टीम 17.5 ओवर में 105 रनों पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के लिए नवीन-उल-हक और राशिद खान ने चार-चार विकेट चटकाए। फजलहक फारूकी और गुलबदीन नैब को भी एक-एक विकेट मिला। अफगानिस्तान की जीत के बाद मिशेल मार्श की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम भी बांग्लादेश के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम सुपर आठ के ग्रुप 1 तालिका में सिर्फ़ दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा जारी योग्य महिलाओं की अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार अदिति अशोक और दीक्षा डागर पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले हफ़्ते केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप के बाद अंतिम रूप से तैयार की गई आईजीएफ की ओलंपिक योग्यता सूची में 60 महिलाएँ शामिल हैं। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र हैं, जिसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फर शामिल हो सकते हैं। अदिति दुनिया की 60वें नंबर की खिलाड़ी हैं और दीक्षा दुनिया की 167वें नंबर की खिलाड़ी हैं,

लेकिन उन्होंने क्रमशः 24वें और 40वें नंबर की ओलंपिक रैंक के साथ कट बनाया है। दोनों महिलाएँ शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) के साथ मिलकर चार सदस्यीय भारतीय टीम बनाती हैं पेरिस खेलों के लिए पुरुषों (1-4 अगस्त) और महिलाओं (7-10 अगस्त) की गोल्फ स्पर्धाएँ सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में ले गोल्फ नेशनल में आयोजित की जाएँगी। अदिति के लिए यह ओलंपिक में तीसरी उपस्थिति होगी, जो किसी भारतीय के लिए सबसे अधिक है, दीक्षा दूसरी बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। शर्मा और भुल्लर पहली बार ग्रीष्मकालीन खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में, अदिति चौथे स्थान पर रही थीं, जो ग्रीष्मकालीन खेलों में किसी भारतीय गोल्फर द्वारा हासिल किया गया सर्वश्रेष्ठ परिणाम था। दीक्षा 50वें स्थान पर रहीं थीं। दीक्षा एकमात्र गोल्फ खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक और डेफलिंपिक दोनों में भाग लिया है, जहाँ वह दो बार पदक विजेता हैं।।

यूरो 2024: इटली, स्पेन अंतिम 16 में, क्रोएशिया बाहर

बर्लिन। मैटियास ज़ाकाग्नि द्वारा अंतिम समय में किये गए गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन इटली ने क्रोएशिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर यूरो 2024 के अंतिम-16 चरण में प्रवेश किया, जबकि स्पेन ने सोमवार को ग्रुप बी के अंतिम दौर में अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। क्रोएशिया ने आक्रामक शुरुआत की, क्योंकि उसे पता था कि केवल जीत से ही वह अंतिम 16 के दौर में पहुंच सकेगा। उसे गोल करने के कई मौके भी मिले, लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। पहला हॉफ गोल रहित समाप्त हुआ। मध्यांतर के बाद क्रोएशिया ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत की। मैच के 55 मिनट में लुका मोड्रिक ने गोल कर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इटली ने क्रोएशिया के गोल क्षेत्र पर आक्रमण शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें अगले दौर के लिए अपनी जगह पक्की करने के लिए कुछ और मौके की जरूरत थी।

मैच के अतिरिक्त समय में मैटियास ज़ाकाग्नि ने आखिरकार गोल कर इटली को

1-1 से बराबरी दिला दी और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में, अग्रणी स्पेन ने फेरान टोरेस के एकमात्र गोल से अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला तीन मैचों तक बढ़ा दिया। स्पेन ग्रुप बी में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद इटली (4 अंक), क्रोएशिया (2 अंक) और अलाबानिया (1 अंक) का स्थान रहा। प्रत्येक छह समूहों में से शीर्ष दो और तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड-ऑफ-16 नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी जारी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाई बढ़त

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। हालांकि इस उतार-चढ़ाव के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने हुए हैं। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। लेकिन बाजार खुलने के बाद से ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, ब्रिटानिया और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 1.78 प्रतिशत से लेकर 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार

कर रहे थे। दूसरी ओर बीपीसीएल, एचसीएल टेक्नोलॉजी, अडाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.80 प्रतिशत से लेकर 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,197 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,510 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 687 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 15 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 188.11 अंक की तेजी के साथ 77,529.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 77,636.19 अंक के स्तर तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 77,459.60 में अंक तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 240.77 अंक की मजबूती के साथ 77,581.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 39.25 अंक की बढ़त के साथ 23,577.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 23,618.10 तक पहुंचा, वहीं मुनाफा वसूली होने पर इसने 23,564.95 अंक तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 60.95 अंक की मजबूती के साथ 23,598.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 131.18 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,341.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 36.75 अंक यानी 0.16 प्रतिशत उछल कर 23,537.85 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

सरकार ने 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की

नई दिल्ली। देश में 5जी सेवाओं को बढ़ाने के लिए 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू हो गई है। सरकार ने मंगलवार को स्पेक्ट्रम की 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की नीलामी शुरू की। इसमें एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियों के बोली लगाने की उम्मीद है। संचार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है। इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि इस बार नीलामी में 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज, 2500 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक 10वीं नीलामी में स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा विभिन्न बैंडों में 10,522.35 मेगाहट्र्ज है, जिसका मूल्य आरक्षित मूल्य पर

96,238.45 करोड़ रुपये है। रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी है। आखिरी बार अगस्त, 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गईं थीं। दूरसंचार विभाग के मुताबिक रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए सबसे अधिक 3 हजार करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने अपने स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क को कम करने के लिए विशेष रूप से 26 गीगाहट्र्ज बैंड में रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

वित्त मंत्री ने व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ की बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यहां आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनेजर व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि आगामी आम बजट 2024-25 के लिए व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री सीतारमण को अपने सुझाव दिए। बजट पूर्व इस परामर्श बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव, व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के

सचिव तथा केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री सीतारमण ने आम चुनाव से पहले चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। चुनाव के बाद उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अब पूर्ण बजट पेश करने के पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी है।

सर्राफा बाजार में जारी कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का माहौल है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में तेजी आई है, लेकिन देश के ज्यादातर बाजारों में कमजोरी के कारण 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये से लेकर 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में आज 66,390 रुपये से लेकर 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी आज गिरावट आई है। आज की गिरावट के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी

91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,30 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कच्चा तेल 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 87 डॉलरऔर डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.05 डॉलर यानी 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 86.06 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.07 फीसदी उछलकर 81.69 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

वीकेंड पर भी नहीं दिखा फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड का क्रेज

ऋतिक रोशन की कजन पश्मीना रोशन ने फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड से बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है. उनकी रोमांस-ड्रामा 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड को कुछ खास रिस्पॉन्स मिलता नजर नहीं आ रहा. सैकनिल्क के आंकड़ों की मुताबिक इश्क विश्क रीबाउंड ने पहले दिन महज 1 करोड़ के कलेक्शन के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था. वहीं अब दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं जिसकी मानें तो पश्मीना रोशन की फिल्म पहले शनिवार को महज 1.15 करोड़ रुपए का ही कारोबार कर पाई है. यानी दो दिन में इश्क विश्क रीबाउंड ने कुल 2.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. बता दें कि इश्क विश्क रीबाउंड के अलावा हॉरर-थ्रिलर फिल्म मुंज्या और कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन भी पर्दे पर है. मुंज्या ने रिलीज के 16 दिन बाद भी शनिवार को 5.50 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन किया तो वहीं चंदू चैंपियन ने भी 4.85 करोड़ रुपए की कमाई की. ऐसे में कहा जा रहा है कि इश्क विश्क रीबाउंड पर क्लैश का भी असर हुआ है. फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड जेन जी वर्ल्ड पर बेस्ड है. ये एक रोमांस-ड्रामा है जिसमें चार यंगस्टर्स की कहानी दिखाई गई है जो दोस्ती, प्यार और सिचुएशनशुपि के जाल में फंस जाते हैं. इश्क विश्क रीबाउंड को निपुण धर्माधिकारी ने डायरेक्ट किया है.

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म त्रिशा ऑन द रॉक्स, कहानी में है दम, किरदारों से हो जाएगा प्यार

कृष्णदेव याग्निक की त्रिशा ऑन द रॉक्स एक मनोरंजक रोमांटिक कॉमेडी है। इसे गुजराती और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म में खूबसूरत किरदार और आकर्षक कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म की कहानी त्रिशा (जानकी बोड़ीवाला) और विशाल (रवि गोहिल) के इर्द-गिर्द घूमती है। त्रिशा जहां जिंदादिल इंसान है और अपनी लाइफ को फुल एन्जॉय करती है, वहीं विशाल शांत व्यवहार का है। दोनों के रिश्ते को बखूबी ढंग से दिखाया गया है, उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को आकर्षित करेगी। जानकी बोड़ीवाला ने त्रिशा के किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया है। उन्होंने अपने किरदार में जो एनर्जी दिखायी है, वाकई सराहनीय है। उनकी दमदार एक्टिंग को बराबर की टक्कर देते हुए एक्टर रवि गोहिल ने भी विशाल की भूमिका में जान भरने का काम किया है। दोनों के बेहतरीन परफॉर्मेंस के चलते स्क्रीन पर रोमांटिक जोड़ी दिखाई

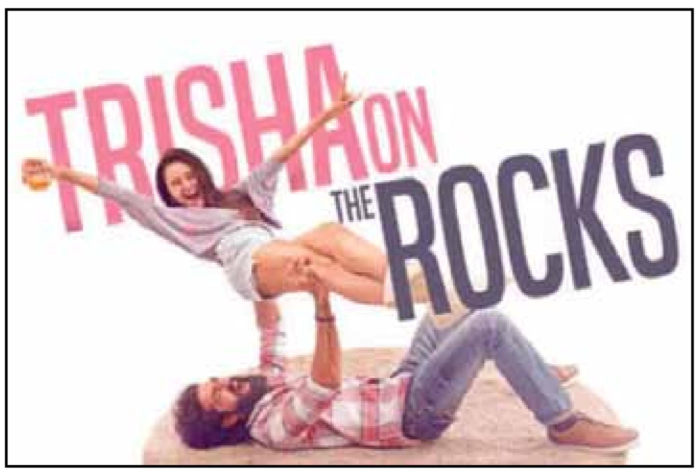

दी। सपोर्टिंग रोल में हितेन कुमार ने भी अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया और कहानी में हास्य जोड़ा। कृष्णदेव याग्निक ने कमाल का निर्देशन किया है। फिल्म में दिल को छू लेने वाले पलों को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है। फिल्म की कहानी को इस तरह से आगे बढ़ाया है कि दर्शक फिल्म को देखते समय बोर नहीं होंगे। प्रतीक परमार की सिनेमैटोग्राफी ने फिल्म को दिलचस्प बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं बात करें, त्रिशा ऑन द रॉक्स के म्यूजिक की तो यह आपके दिल को छू लेगा। आप म्यूजिक सुनकर कहानी से खुद को आसानी से कनेक्ट कर पाएंगे। साउंडट्रैक इमोशन्स को महसूस करने में मदद करेगा, जिससे फिल्म देखने का एक्सपीरियंस और भी ज्यादा मजेदार होगा। कुल मिलाकर, त्रिशा ऑन द रॉक्स के बारे में यह कहना कि यह दिल को छू लेने वाली और एंटरटेनिंग रोमांटिक कॉमेडी है, गलत नहीं होगा। यह कलाकारों के शानदार परफॉर्मेंस और अच्छी तरह से तैयार की गई कहानी के चलते काफी अलग है। यह कॉमेडी, रोमांस और दिल को छू लेने वाले पलों का एक बेहतरीन मिश्रण है, जो दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ेगी। अगर आप किसी ऐसी फिल्म की तलाश में हैं, जो आपको अच्छा एक्सपीरियंस दे और उसकी कहानी आपके सीधे दिल को छू जाए, तो त्रिशा ऑन द रॉक्स परफेक्ट ऑप्शन है। यह गुजरात की नई युवा संस्कृति पर एक मॉडर्न कहानी है।

चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान देते हुए मोनालिसा ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट

दिखी एक्ट्रेस की खूबसूरत अदाएं

भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर हमेशा सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो हमेशा अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी हॉटनेस का जलवा फैंस के बीच बिखेर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं। उनका ये स्टनिंग अवतार लोगों को दीवाना कर रहा है। इन तसवीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड कलर की रेड कलर की बनारसी साड़ी पहनी हुई है। माथे पर बिंदी, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी अच्छी खासी है। एक्ट्रेस की इन फोटोज में शोख अदाओं को देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं। मोनालिसा के वर्कफ्रंट की बात करें दतो उन्हें आखिरी बार टीवी सीरियल बेकाबू में देखा गया था। इससे पहले वो स्टार प्लस के पॉपुलर शो नजर का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

थलपति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का नया गाना चिन्ना चिन्ना कंगल जारी

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गोट: ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुआ हैं। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। फिल्म के बारे में दर्शकों को आए दिन नई जानकारियां मिल रही हैं, जो उनका उत्साह बढ़ा रही है। बीते दिन फिल्म के दूसरे गाने का प्रोमो जारी किया गया था, जिसके बाद से गाने के रिलीज होने का इंतजार प्रशंसकों द्वारा किया जा रहा था। आखिरकार अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज हो चुका है। विजय की ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम उर्फ गोट का दूसरा गाना चिन्ना चिन्ना कंगल रिलीज किया गया। अभिनेता के 50वें जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसकों को खास तोफहा मिला है। इस विशेष ट्रैक में दिवंगत पार्श्व गायिका भवतारिणी की एआई-जनरेटेड आवाज है, जो उनके लिए अभिनेता के जन्मदिन पर श्रद्धांजलि भी है। गोट के निर्माताओं ने चिन्ना चिन्ना कंगाल का गीतात्मक वीडियो जारी किया। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को खुद अभिनेता विजय ने गाया है। भवतारिणी के भाई और गायक-संगीतकार युवान राजा ने एक्स पर एक भावनात्मक नोट साझा करते हुए गीत के निर्माण को याद किया। उन्होंने लिखा, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का दूसरा सिंगल मेरे लिए बहुत खास है। इस भावना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जब हम बैंगलोर में इस गाने की रचना कर रहे थे, विजय और मुझे लगा कि यह गाना मेरी बहन के लिए है और उस समय मैंने सोचा कि एक बार जब वह ठीक हो जाएगी और अस्पताल से बाहर आ जाएगी तो हम उसकी आवाज रिकॉर्ड कर सकते हैं, लेकिन एक घंटे बाद मुझे खबर मिली कि वह अब नहीं रहीं। मैंने कभी

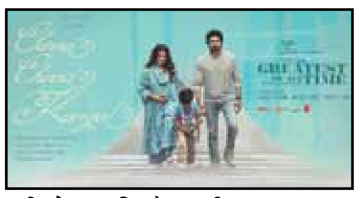

नहीं सोचा था कि मैं उनकी आवाज का इस तरह इस्तेमाल करूंगा। मैं अपनी संगीत टीम और इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का ईमानदारी से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह मेरे लिए बहुत ही कड़वा पल है। गोट विजय की 68वीं फिल्म है। यह फिल्म एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन-आधारित विज्ञान-फाई फिल्म होगी। फिल्म के ट्रेलर पर फिलहाल कोई भी अपडेट देने से निर्माता बच रहे हैं। उनका कहना है कि टीजर या ट्रेलर के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है। वहीं कलाकारों की बात करें तो इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद आकाश और अजय राज हैं। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तीसरे वीकेंड पर फिर बढ़ा मुंज्या का क्रेज, शरवरी-अभय की फिल्म ने छाप डाला करोड़ों

शरवरी वाघ और अभय शर्मा की हॉरर-थ्रिलर फिल्म मुंज्या का क्रेज थमने का नाम नहीं ले रहा है. 7 जून को थिएटर्स में आई ये फिल्म रिलीज के 16 दिन बाद भी करोड़ों का कारोबार कर रही है. यहां तक कि मुंज्या ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों को भी मात दे दी है. जहां मुंज्या रिलीज के बाद से ही हर रोज करोड़ों छाप रही है तो वहीं तीसरे वीकेंड पर एक बार फिर फिल्म के कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है. सैकनिल्क की मानें तो मुंज्या पिछले कुछ दिनों से हर रोज 2.5 से 3.5 करोड़ रुपए के बीच कलेक्शन कर रही थी. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक 15वें दिन भी फिल्म ने 3.31 करोड़ रुपए ही कमाए थे. लेकिन तीसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में काफी इजाफा हुआ है. मुंज्या ने 16वें दिन 5.80 करोड़ रुपए बटोरे हैं. इसी कलेक्शन के साथ फिल्म ने अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 80 करोड़ के क्लब में एंट्री ले ली है. मुंज्या ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 16 दिन में कुल 80.11 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. महज 30 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने हफ्ते भर में ही अपना बजट निकाल लिया था. अब मुंज्या का बढ़ता कलेक्शन इस ओर इशारा कर रहा है जल्द ही फिल्म 100 करोड़ क्लब में एंट्री ले सकती है. आदित्य सरपोटदार के डायरेक्शन में बनी मुंज्या का क्रेज बॉक्स ऑफिस पर ऐसा हावी है कि ये हाल ही में रिलीज हुई फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड और पिछले हफ्ते पर्दे पर आई चंदू चैंपियन को भी मात दे रही है. नई फिल्मों की रिलीज से शरवरी वाघ की हॉरर-थ्रिलर पर कोई असर नजर नहीं आया. बल्कि मुंज्या ही दूसरी फिल्मों को पछाड़कर रिकॉर्ड बना रही है.

पति मजहर सईद के साथ काम करके खुश हैं मौली गांगुली

एक्ट्रेस मौली गांगुली ने शो जननी : एआई की कहानी में पति मजहर सईद के साथ काम करने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशकों के बाद फिर से साथ काम करना एक ताजगी भरा अनुभव है। शो में इरा शर्मा की भूमिका निभाने वाली मौली ने अपने पिछले सहयोगों के बारे में बात करते हुए कहा, लगभग दो दशक बाद फिर से साथ काम करना ताजगी भरा अनुभव है। कहीं किसी रोज में हम एक दूसरे के अपोजिट नहीं थे, इसलिए यह अनुभव बिल्कुल नया और रोमांचक है। इस बार वह पर्दे पर एक ऐसे जोड़े की भूमिका निभा रहे हैं जो उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में एक अनोखी गतिशीलता जोड़ देगा। मौली ने इस अनुभव के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह वास्तव में इसका आनंद ले रही हैं। पर्दे के पीछे और पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री ने उनके किरदारों में प्रामाणिकता जोड़ दी है, जिससे यह शो दर्शकों के लिए और भी अधिक आकर्षक बन गया है। जीवनसाथी के साथ काम करना एक अनोखा अनुभव हो सकता है और मौली और मजहर के लिए यह किसी आनंद से कम नहीं है। साक्षी, आठवां वचन और लागी तुझसे लगन में अपने काम के लिए मशहूर मौली ने कहा, यह वाकई में सुकून देने वाला है क्योंकि साथ आना, साथ में घर जाना और साथ में समय बिताना बहुत मजेदार है। वरना हम लोग आम तौर पर एक-दूसरे की सेट की कहानियां शेयर करते थे। इससे पहले वह डांस रियलिटी शो नच बलिए 4 में नजर आए थे। इसमें उनकी मजबूत साझेदारी और केमिस्ट्री को दिखाया गया था। यह जोड़ा 2010 में शादी के बंधन में बंधा था। इस शो में मजहर ने विराट शर्मा की भूमिका निभाई है। इसके अलावा इसमें प्राप्ति शुक्ला, नितिन गुलेरिया, सुमित कौल, प्रियंक ततारिया और आशिका भाटिया भी हैं। एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी : एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है। मौली इससे पहले बाल शिव-महादेव की अनदेखी गाथा, जमाई राजा, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, आसमान से आगे और मानो या ना मानो 2 जैसे टेलीविजन शो में नजर आ चुकी हैं।